आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

■ रायपुर,मंगलवार 13 जनवरी 2026 ■ माघ कृष्ण पक्ष-10 ■ वर्ष -41 ■ अंक-285 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 14 जनवरी 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

संक्षिप्त-समाचार

सगे भाई की चाकू मारकर हत्या, गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा,13 जनवरी। जिले के बम्हनीडीह थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां मामूली विवाद में एक युवक ने अपने ही सगे बड़े भाई की चाकू मारकर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार साहिल खान और उसके बड़े भाई सफर खान के बीच लकड़ी काटने को लेकर विवाद हो रहा था। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी साहिल खान ने हत्या की नीयत से अपने पास रखे धारदार चाकू से सफर खान के सीने पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल सफर खान की मौके पर ही मौत हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चांपा विजय कुमार पाण्डे के निर्देशन में बम्हनीडीह पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप और SDOP चांपा यदुमणि सिदार के मार्गदर्शन में मुखबिर की सूचना पर 12 जनवरी 2026 को आरोपी साहिल खान को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने जुर्म कबूल किया, जिसके बाद हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया गया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

ट्रक पलटने से चालक की मौत

जांजगीर-चांपा,13 जनवरी। जिले के मड़वा प्लांट से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। बीती रात करीब 3 से 3:30 बजे के बीच राखड़ लेकर पहुंची एक गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रहलाद केवट, उम्र 45 वर्ष, पिता हंसराज केवट, निवासी जर्वे के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार, चालक प्लांट गेट तक गाड़ी लेकर पहुंचा था। गाड़ी से उतरने के बाद अचानक वाहन पीछे की ओर ढुलकने लगा। गाड़ी को रोकने के प्रयास में वह दौड़ा, लेकिन इसी दौरान ट्रक पलट गया और वह उसके नीचे दब गया। हादसे में चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद शव को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की जा रही है। सूचना मिलते ही परिजन प्लांट पहुंचे और मामले में आगे की कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। नैला थाना प्रभारी भवानी एवं कोतवाली प्रभारी जय प्रकाश गुप्ता मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाल रहे हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

मोटर साइकलों में टक्कर दो सगे भाइयों की मौत

पखांजूर,13 जनवरी। कांकेर जिले के पखांजूर में मंगलवार सुबह तेज रफ्तार ने कहर बरपा दिया। पीवी–9 मार्ग पर दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई भीषण भिड़ंत में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान दो सगे भाइयों की मौत हो गई, जबकि तीसरे युवक की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक मोटरसाइकिल पर एक युवक सवार था, जबकि दूसरी बाइक पर दो सगे भाई जा रहे थे। तेज रफ्तार के चलते दोनों बाइकों में आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और उन्हें गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तत्काल घायलों को पखांजूर अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें बाहर रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान दो सगे भाइयों ने दम तोड़ दिया। तीसरे युवक का इलाज जारी है और उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

आधी रात धधकता रहा एसएमएस-2, हॉट मेटल

भिलाई,13 जनवरी। सेल भिलाई इस्पात संयंत्र में सोमवार रात करीब पौने 10 बजे लगी आग को काबू करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। रात 12 बजे तक आग धधकती रही। केबिल में आग लगने से बिजली गुल है। इस वजह से यहां आग बुझाने में खासा दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कर्मचारियों के लिए बनाए गए लॉकर को भी आग ने चपेट में ले लिया। कर्मचारियों का सामान जलकर खाक हो गया है। आग बुझाने के लिए कई लॉकर को तोड़ने भी पड़े। अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड-सेल के भिलाई स्टील प्लांट के स्टील मेल्टिंग शॉप-2 के तीनों कन्वर्टर में आग लगी। जमीन पर बिखरे हॉट मेटल को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि कन्वर्टर से हॉट मेटल गिरने की वजह से हादसा हुआ है।

जंबूरी भ्रष्टाचार मामला पहुंचा कोर्ट,10 करोड़ खर्च की होगी जांच

रायपुर,13 जनवरी। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी 2026 से जुड़े कथित भ्रष्टाचार का मामला अब सीजेएम कोर्ट पहुंच गया है। कांग्रेस की ओर से दायर याचिका को स्वीकार करते हुए कोर्ट ने 20 जनवरी को पहली सुनवाई तय की है।

छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी 2026 को लेकर उठे भ्रष्टाचार के आरोप अब न्यायिक जांच के दायरे में आ गए हैं। कांग्रेस की ओर से दायर शिकायत याचिका को सीजेएम कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने मामले की पहली सुनवाई के लिए 20 जनवरी 2026 की तारीख तय की है। याचिका स्वीकार होने के बाद आयोजन से जुड़े खर्च, टेंडर प्रक्रिया और प्रशासनिक निर्णयों की न्यायिक समीक्षा की जाएगी। बालोद जिले के ग्राम दुधली में प्रस्तावित जंबूरी आयोजन में टेंडर 5 जनवरी 2026 को खोले गए, लेकिन आरोप है कि संबंधित फर्म ने दिसंबर 2025 से ही काम शुरू कर दिया था। टेंट, टॉयलेट, मंच और अन्य ढांचे पहले से खड़े किए जा चुके थे।

रायपुर की फर्म अमर भारत किराया भंडार को ठेका दिया गया, जिसके संचालक को सत्ताधारी दल के एक प्रभावशाली नेता का करीबी बताया जा रहा है। इससे टेंडर प्रक्रिया को केवल औपचारिकता बताए जाने के आरोप लगे हैं।

अस्थायी टॉयलेट पर करोड़ों का खर्च-टेंडर दस्तावेजों में एक अस्थायी टॉयलेट की दर 22 हजार रुपए तय की गई थी। 400 टॉयलेट पर ही करीब 88 लाख रुपए खर्च दिखाया गया। वीआईपी और वीवीआईपी टॉयलेट, यूरिनल और वॉशरूम मिलाकर कुल खर्च 2 करोड़ रुपए से अधिक बताया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी राशि में स्थायी आरसीसी टॉयलेट बनाए जा सकते थे।

विवाद सामने आने के बाद भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने जंबूरी आयोजन स्थगित करने की घोषणा की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि 10 करोड़ रुपए सीधे जिला शिक्षा अधिकारी, बालोद के खाते में ट्रांसफर किए गए, जो नियमों के

स्काउट-गाइड अध्यक्ष विवाद : हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा जवाब

सांसद बृजमोहन की याचिका पर हुई सुनवाई

बिलासपुर,13 जनवरी। भारत स्काउट-गाइड के राज्य परिषद अध्यक्ष पद से हटाने के मामले में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बिलासपुर हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी, जिस पर मंगलवार को सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई हाईकोर्ट की सिंगल बेंच में की गई, जहां अदालत ने राज्य शासन को नोटिस जारी करते हुए जवाब तलब किया है। कोर्ट ने शासन से पूरे मामले पर अपना पक्ष स्पष्ट करने को कहा है। हाईकोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख 12 फरवरी तय की है। फिलहाल अदालत ने मामले में कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं किया है। हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा था कि उन्हें अध्यक्ष पद से हटाने का प्रस्ताव असंवैधानिक और एकतरफा है। न तो उन्हें इस संबंध में कोई पूर्व सूचना दी गई और न ही पक्ष रखने या सुनवाई का कोई अवसर दिया गया। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि वे सांसद होने के साथ-साथ परिषद के वैधानिक अध्यक्ष हैं और इसी हैसियत से उन्होंने 5 जनवरी को जंबूरी से संबंधित बैठक भी आयोजित की थी और जंबूरी आयोजन में करीब 10 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता सामने आने के कारण उन्होंने आयोजन को रद्द करने का निर्णय लिया था। सांसद बृजमोहन अग्रवाज ले याचिका में यह भी कहा था कि वे लंबे समय से स्काउट-गाइड के अध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं, इसके बावजूद उन्हें बिना जानकारी दिए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

भ्रष्टाचाररोधी अधिनियम की धारा-17ए को रद्द करने की जरूरत

यह कानून भ्रष्टों को बचाने के लिए है, भड़के सुको के जज

नई दिल्ली,13 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को भ्रष्टाचार रोधी कानून पर एक लंबी और दिलचस्प बहस देखने को मिली। इस दौरान जस्टिस बीवी नागरत्ना ने भ्रष्टाचार रोधी अधिनियम की धारा 17ए को रद्द करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि यह धारा असंवैधानिक है, इसे निरस्त किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि किसी भी करप्शन के मामले में अथॉरिटी से मंजूरी लेने की बाध्यता भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने वाली है। ऐसी स्थिति में इस सेक्शन को रद्द किया जाना चाहिए। इससे भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई करने में देरी होती है। ऐसी स्थिति ठीक नहीं है। हालांकि इस मामले की सुनवाई में बेंच ही बंटी नजर आई। बेंच में शामिल दूसरे जज केवी विश्वनाथन ने कहा कि प्रिवेंशन ऑफ करप्शन ऐक्ट की धारा 17A जरूरी है। इससे ईमानदार अधिकारियों को बचाने में मदद मिलती है। इस तरह बेंच का फैसला बंटा हुआ आया। अब इस मामले को चीफ जस्टिस सूर्यकांत

के समक्ष रखा जाएगा। वह इस केस की सुनवाई के लिए एक बड़ी बेंच का गठन करेंगे। उस बेंच की ओर से आने वाला फैसला ही इस केस में अंतिम होगा। यह बेंच दो ही जजों की थी और उनकी राय अलग होने पर कोई अंतिम फैसला नहीं आ सका। ऐसी स्थिति में अब बड़ी बेंच का गठन होना है। दरअसल भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, 1988 में नई धारा 17A को 2018 में जोड़ा गया था। तब यह बताया गया था कि इसका उद्देश्य है कि अनावश्यक मामलों को रोका जाए और ईमानदार अधिकारियों को बेवजह कानूनी मसलों में फंसने से बचाया जाए। इसे ईमानदार अधिकारियों के लिए एक सुरक्षा कवच बताया गया था। हालांकि अब इस धारा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की ओर से इस केस में अंतिम फैसला क्या आता है। इस पर सभी की नजर रहेगी। बता दें कि जस्टिस बीवी नागरत्ना ने सुनवाई के दौरान बेहद सख्त लहजे में कहा कि यह सेक्शन ही असंवैधानिक है और इसे निरस्त किए जाने की जरूरत है।

अगर कुत्ता काटने से किसी बच्चे-बुजुर्ग की मौत हुई तो देना होगा भारी मुआवजा: सुको

नई दिल्ली,13 जनवरी। विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की पीठ ने भारत में आवारा कुत्तों के मामले की सुनवाई की और कहा कि कुत्ते के काटने से हुई हर मौत के लिए राज्यों पर भारी मुआवजा लगाया जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय ने सभी राज्य सरकारों से कहा कि वे एबीसी नियमों को लागू करने में "बुरी तरह विफल" रही हैं। पीठ ने कहा कि हम केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को जवाबदेह ठहराने जा रहे हैं। यह मुद्दा सदियों से चला आ रहा है। आपने स्वयं उल्लेख किया है कि संसद 1950 के दशक से इस पर विचार कर रही है। केंद्र और राज्य सरकारों के कारण ही यह समस्या 1000 गुना बढ़ गई है। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से पूर्ण विफलता। कुत्ते के काटने से जान गंवाने वाले हर पुरुष, महिला और बच्चे के लिए, हम जिम्मेदार सरकार पर भारी मुआवजा लगाएंगे।

8 जनवरी को पिछली सुनवाई में, सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने एबीसी नियमों के उचित कार्यान्वयन की कमी को उजागर किया और याचिकाकर्ताओं में से एक अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के वकील सहित कुत्ते प्रेमियों को "वास्तविकता से दूर" होने की चेतावनी भी दी। पिछले सप्ताह, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि वह महिला कुत्ता पालकों और उनकी देखभाल करने वालों के साथ कथित तौर पर कुत्ता पालकों के खिलाफ संगठित समूहों द्वारा किए गए उत्पीड़न के आरोपों पर विचार नहीं करेगा, क्योंकि यह कानून-व्यवस्था का मामला है और पीड़ित व्यक्ति इसके बारे में एफआईआर दर्ज करा सकते हैं। आवारा कुत्तों के मामले में दलीलें सुनते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में महिलाओं के बारे में की गई कुछ अपमानजनक टिप्पणियों के दावों पर भी विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एन वी अंजारी की तीन-न्यायाधीशों वाली विशेष पीठ ने पाया कि उनके समक्ष प्रस्तुत कुछ तर्क "वास्तविकता से बहुत दूर" थे और आवारा कुत्तों द्वारा बच्चों और बुजुर्गों पर हमला करने के कई वीडियो मौजूद हैं।

एलओसी पर 8 आतंकी कैंप अब भी एक्टिव

आर्मी चीफ की पाकिस्तान को चेतावनी, हरकत पर भारी तबाही पक्की

नई दिल्ली,13 जनवरी। सेना प्रमुख (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि भारत द्वारा 10 मई को पाकिस्तानी क्षेत्र में नौ आतंकी संगठनों को निशाना बनाकर शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पश्चिमी मोर्चे और जम्मू-कश्मीर में स्थिति संवेदनशील लेकिन पूरी तरह नियंत्रण में है। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सकारात्मक बदलाव के स्पष्ट संकेत मिले हैं क्योंकि 2025 में आतंकी भर्तियों की संख्या लगभग "नगण्य" रही है। जनरल द्विवेदी ने बताया कि 2025 में 31 आतंकवादियों को मार गिराया गया। उन्होंने आगे कहा कि इनमें से 65 प्रतिशत पाकिस्तानी मूल के थे। सेना प्रमुख ने कहा कि 10 मई से पश्चिमी मोर्चे और जम्मू-कश्मीर में स्थिति संवेदनशील बनी हुई है, लेकिन पूरी तरह नियंत्रण में है। 2025 में 31 आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनमें से 65 प्रतिशत पाकिस्तानी मूल के थे, जिनमें पहलगाम हमले के तीन हमलावर भी शामिल हैं जिन्हें ऑपरेशन महादेव में मार गिराया गया। सक्रिय स्थानीय आतंकवादियों की संख्या अब एकल अंकों में है। आतंकवादी भर्ती लगभग न के बराबर है, 2025 में केवल 2 भर्तियां हुईं। जम्मू-कश्मीर में सकारात्मक बदलाव के स्पष्ट संकेत हैं मजबूत विकास गतिविधियां, पर्यटन का पुनरुद्धार और शांतिपूर्ण श्री अमरनाथ यात्रा, जिसमें 4 लाख से अधिक तीर्थयात्री शामिल हुए, जो पिछले पांच वर्षों के औसत से अधिक है। आतंकवाद से पर्यटन की ओर बदलाव धीरे-धीरे आकार ले रहा है।

जनरल द्विवेदी ने म्यांमार में घट रही घटनाओं के "दूसरों के प्रभाव" से पूर्वोत्तर को बचाने के लिए काम कर रहे असम राइफल्स, सेना और गृह मंत्रालय के सुरक्षा तंत्र के बारे में भी जानकारी दी। म्यांमार में अशांति के जवाब में असम राइफल्स, सेना और गृह मंत्रालयों सहित एक व्यापक बहु-एजेंसी सुरक्षा ग्रिड पूर्वोत्तर को इसके दुष्प्रभावों से बचाने के लिए काम कर रहा है। म्यांमार में दूसरे चरण के चुनावों के सफल संचालन के साथ, अब हम एक-दूसरे के साथ अधिक प्रभावी ढंग से बातचीत कर सकेंगे।

ज्वेलरी व कपड़ा दुकान में चोरी

नवापारा,13 जनवरी। गोबरा–नवापारा थाना क्षेत्र में बीती रात बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। नगर के कमलेश ज्वेलर्स और उत्तम चंद संतोष कुमार वस्त्रालय में देर रात करीब 2 बजे अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। घटना की जानकारी आज सुबह दुकान खोलने पर व्यापारियों को हुई, जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया। चोरों ने ज्वेलर्स से लगभग 90 ग्राम सोना, करीब 40 किलो चांदी और 2 लाख रुपये नगद पर हाथ साफ कर दिया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार चोरी की कुल कीमत करीब 1 करोड़ रुपये बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि अज्ञात चोर बेसमेंट के रास्ते दुकानों में दाखिल हुए और पूरी योजना के साथ वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। नगर के प्रतिष्ठित सराफा और वस्त्र व्यापारी एकजुट

होकर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि हाल ही में नगर में हथियारबंद नकाबपोश गिरोह द्वारा रेकी करते हुए एक वीडियो भी सामने आया था, इसके बावजूद पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था नहीं बढ़ाई गई। पुलिस की कथित लापरवाही को लेकर नगरवासियों और व्यापारियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। फिलहाल गोबरा–नवापारा पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी हुई है और अज्ञात चोरों की तलाश की जा रही है।

कश्मीर की शक्सगाम घाटी को चीन ने बताया अपना इलाका

बीजिंग,13 जनवरी। भारत चीन संबंधों में एक बार फिर तनाव का पारा तेजी से चढ़ गया है। इस बार मुद्दा है शक्सगाम घाटी। चीन ने न केवल इस क्षेत्र पर अपना दावा खुलकर दोहराया है बल्कि वहां चल रहे निर्माण कार्यों को पूरी तरह जायज ठहराते हुए भारत की आपत्तियों को सिरे से खारिज कर दिया है। यह बयान भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को सीधी चुनौती है। दरअसल, चीन का यह रुख उस दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत वह सीमा विवादों को जमीन पर तथ्य बनाकर स्थापित करना चाहता है। सड़कों, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचे के नाम पर चीन धीरे धीरे अपने सैन्य और रणनीतिक दबाव को बढ़ा रहा है। शक्सगाम घाटी में निर्माण को सही ठहराकर बीजिंग ने यह साफ कर दिया है कि वह भारत की संवेदनशीलता को कोई महत्व नहीं देता। चीन का कहना है कि शक्सगाम घाटी उसका हिस्सा है और वहां किया जा रहा निर्माण पूरी तरह वैध है। उसके अनुसार यह क्षेत्र चीन और पाकिस्तान के बीच हुए सीमा समझौते के अंतर्गत आता है और वहां के विकास कार्य स्थानीय आबादी के हित में हैं। हम आपको बता दें कि चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने भारत की आपत्ति को खारिज करते हुए कहा कि जिस क्षेत्र का उल्लेख किया जा रहा है, वह चीन का ही हिस्सा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उस इलाके में बुनियादी ढांचे का निर्माण चीन द्वारा अपने ही क्षेत्र में किया जा रहा है और यह पूरी तरह वैध तथा उचित है। प्रवक्ता ने कहा कि चीन और पाकिस्तान ने 1960 के दशक में एक सीमा समझौता किया था, जिसके तहत दोनों देशों के बीच सीमा तय की गई थी और यह दो संप्रभु देशों का आंतरिक मामला है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा और उक्त सीमा समझौता कश्मीर मुद्दे पर चीन के रुख को किसी भी तरह प्रभावित नहीं करते और इस विषय पर चीन की स्थिति लगातार एक-सी रही है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर का प्रश्न एक ऐतिहासिक विवाद है, जिसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संबंधित प्रस्तावों और भारत-पाकिस्तान के बीच हुए द्विपक्षीय समझौतों के अनुरूप शांतिपूर्ण और उचित तरीके से सुलझाया जाना चाहिए। चीनी प्रवक्ता ने जो तर्क दिये वो हमने आपको बताया लेकिन इस तर्क के पीछे छिपा असली मकसद साफ दिखाई देता है। दरअसल, शक्सगाम घाटी में सड़क और अन्य ढांचे का

निर्माण चीन को काराकोरम क्षेत्र में तेज सैन्य आवाजाही की क्षमता देता है। यह इलाका सियाचिन ग्लेशियर और लद्दाख के बेहद करीब है। यहां मजबूत उपस्थिति का अर्थ है भारत पर रणनीतिक दबाव बढ़ाना और पाकिस्तान के साथ मिलकर एक संयुक्त मोर्चा तैयार करना।

हम आपको बता दें कि भारत ने चीन के इस दावे को पूरी तरह अवैध और अस्वीकार्य बताया है। भारत का स्पष्ट रुख है कि शक्सगाम घाटी जम्मू-कश्मीर का अभिन्न हिस्सा है और उस पर किसी भी तरह का चीनी दावा स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारत ने यह भी दोहराया है कि पाकिस्तान को इस क्षेत्र को किसी तीसरे देश को सौंपने का कोई अधिकार नहीं था। भारत ने साफ शब्दों में कहा है कि पाकिस्तान और चीन के बीच हुआ तथाकथित सीमा समझौता शुरू से ही अवैध रहा है। भारत ने ऐसे सभी प्रोजेक्ट्स को भी खारिज किया है जो उसके क्षेत्र से होकर गुजरते हैं और उसकी सहमति के बिना चलाए जा रहे हैं देखा जाये तो भारत की यह प्रतिक्रिया इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह संदेश देती है कि भारत अब केवल कूटनीतिक विरोध तक सीमित नहीं रहेगा। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भारत अपने हितों की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाने को तैयार है। आखिर क्या है शक्सगाम घाटी विवाद? यदि इसकी बात करें तो आपको बता दें कि शक्सगाम घाटी काराकोरम पर्वत श्रृंखला के उत्तर में स्थित एक ऊंचाई वाला और रणनीतिक रूप से बेहद अहम क्षेत्र है। यह इलाका पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का हिस्सा माना जाता है जिस पर भारत ने हमेशा दावा किया है। वर्ष 1963 में पाकिस्तान ने इस घाटी का एक बड़ा हिस्सा चीन को सौंप दिया था। भारत ने इस कदम को कभी मान्यता नहीं दी क्योंकि यह क्षेत्र भारत का है और पाकिस्तान वहां केवल अवैध कब्जेदार था। इस समझौते के बाद से ही चीन धीरे धीरे इस इलाके में अपनी मौजूदगी मजबूत करता गया। पहले सीमित गश्त फिर सर्वे और अब बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य इस घाटी का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह सियाचिन ग्लेशियर के नजदीक है। सियाचिन पहले से ही दुनिया का सबसे ऊंचा युद्ध क्षेत्र है और वहां किसी भी तरह का संतुलन बिगड़ना भारत की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। देखा जाये तो शक्सगाम घाटी में चीन की सक्रियता का सीधा असर भारत की उत्तरी सीमाओं पर पड़ता है। यदि चीन और पाकिस्तान इस क्षेत्र में संयुक्त सैन्य तालमेल बढ़ाते हैं तो भारत को दो मोर्चों पर दबाव का सामना करना पड़ सकता है।

डिप्टी सीएम शर्मा के नेतृत्व में कवर्धा विधानसभा में विकास की गति लगातार तेज हो रही है:ईश्वरी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 13 जनवरी। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के प्रयासों से सहसपुर लोहारा विकासखंड के ग्राम सिल्हाटी में 1 करोड़ 52 लाख 97 हजार रुपये की लागत से स्वीकृत 50 सीटर प्री-मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास के निर्माण कार्य का आज विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया गया। भूमिपूजन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू ने कहा कि उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा के नेतृत्व में कवर्धा विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की गति लगातार तेज हो रही है। इस अवसर पर भूखन लाल साहू , लाला राम साहू ,संदीप साहू , परदेस पटेल एवं बीजेपी कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

जामुल में स्वामी विवेकानंद जयंती मनाई गई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जामुल,13 जनवरी। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय जामुल में स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस कार्यक्रम का आयोजन संघ प्रचारक एवं भारतीय जनता पार्टी जामुल मंडल के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय परिसर के छात्र-छात्राओं की भी सक्रिय सहभागिता रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संघ प्रचारक आदरणीय दिलेश्वर उमरे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशेष रूप से नेतराम साहू, भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा रायपुर संभाग प्रभारी रेखराम बंछोर, जामुल मंडल अध्यक्ष प्रशांत गुप्ता, सरस्वती शिशु मंदिर के संचालक संजय शर्मा, मंडल महामंत्री ओम प्रकाश साहू, ध्रुव देवांगन, युवा मोर्चा अध्यक्ष सोनू यादव, युवा मोर्चा महामंत्री अनूप राय, दीपक सिंह, किशन गर्ग, बी.आर. रामटेक, रामचंद्र साहू, राजेश यादव, सोन साय यादव सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद जी के विचारों और उनके जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला गया तथा विद्यार्थियों को उनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं की उपस्थिति एवं सहभागिता ने कार्यक्रम को विशेष रूप से प्रेरणादायक बनाया।

बसंती रंग में रंगा खेत

उतई। बसन्त पर्व के नजदीक आते ही खेतों में सुनहरी प्रकृतिक छटा बिखेरती उतई से खोपली मार्ग में लहलहाती सरसो के फसल राह चलते राहगीरों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा हो।

व्यापारियों ने कर्मचारियों को दिया नशामुक्ति का संदेश

कवर्धा, 13 जनवरी। उद्योगपति चंद्रशेखर चंद्रवंशी और व्यापारी संजय जायसवाल ने कहा की मजदूरों, कर्मचारियों, गरीब परिवार में शराब पीने की आदत बढ़ रही है चिंताजनक है । हमेशा कर्मचारियों को नशा से दूर रहने के लिए भी प्रेरित करते हुए देखे जाते है चंद्रेशखर और संजय । गरीब परिवार को समझना होगा की शराब पीने से लीवर फेफड़ा खराब हो सकता है इसीलिए शराब नशे से दूर रहे ।

ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने रंगों के जरिए दिया सुरक्षा का संदेश

भिलाई, 13 जनवरी। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा सुरक्षा जागरूकता माह के अंतर्गत सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग के तत्वावधान में सेक्टर-8, भिलाई स्थित सुनीति उद्यान में वार्षिक सुरक्षा ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता-2026 का सफल आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार रहे। अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक डी. सतपथी ने की। इस अवसर पर सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग के महाप्रबंधक प्रभारी एस. के. अग्रवाल सहित महाप्रबंधकगण एस. सुनोव, पी. एम. राजेन्द्र कुमार, बी. आर. पांडा, यू. वी. सुभद्रा, जे. टी. दासन, एस. के. महतो एवं एस. आर. शिंदे की उपस्थिति रही।

एक नजर

म्यूल खाता चलाने वाला गिरफ्तार

भिलाई, 13 जनवरी (तछसं.)। भिलाई म्यूल खाते के फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है पद्मनाभपुर टीआई राजकुमार लहरे ने बताया कि पद्मनाभपुर थाने पुलिस में शिकायत की गई थी कि 20 हजार रुपए का लालच देकर खाते का उपयगोग म्यूल खाते के रूप में किया जाता था मामले में पुलिस ने सेक्टर - 6 भिलाई निवासी फरार विशाल मसीह को गिरफ्तार किया गया पुलिस इससे पहले लोकेश जाधव, टवन कुमार जाधव, विनय सिंग सेंगर, राजू गायकवाड, अमित मिश्रा को गिरफ्तार कर चुकी है इन के बयान के बाद म्यूल खातों के कारोबार में शामिल फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। आरोपियों के पास से 78 एटीएम, क्रेडिट कार्ड, 21 चेकबुक, 18 पासबुक, 16 अलग अलग कंपनी के सिम कार्ड जब्त किया जा चुका है।

अवैध शराब बेचते 4 गिरफ्तार

भिलाई, 13 जनवरी (तछसं.)। भिलाई धमधा थाना पुलिस ने अवैध रूप से शराब की बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 89 पौवा शराब और 11 हजार 250 रुपए नकद जब्त किए हैं। सभी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है पुलिस के अनुसार, धमधा थाना क्षेत्र में लगातार अवैध शराब बिक्री की शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद पेट्रोलिंग टीम के साथ तीन अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान ग्राम दारगांव निवासी झूनउ निर्मलकर को पकड़ा गया। वहीं धमधा के रघुनाथ होटल के पास सड़क किनारे से यशवंत यादव को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया इसके अलावा ग्राम गोबरा-दारगांव मुख्य मार्ग स्थित मोहलई तिराहा से रामायण यादव और रामचन्द्र यादव को अवैध शराब बिक्री करते हुए पकड़ा गया। सभी आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में शराब और बिक्री की राशि बरामद की गई ।

अभियंता के घर से 3 लाख की चोरी

भिलाई, 13 जनवरी (तछसं.)। भिलाई छावनी थाना क्षेत्र के बिजली कंपनी के कार्यपालन अभियंता के घर से एक लाख रुपए नकदी समेत साढ़े 3 लाख रुपए के सोने के गहने चोरी हो गए। पीड़िता घर पर ताला लगाकर पति से मिलने गई थी। इस बीच बिना अलमारी का ताला टूटे लॉकर से गहने गायब हो गए। घटना के करीब दो महीने बाद कार्यपालन अभियंता की पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने धारा 305 के तहत के अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। छावनी पुलिस ने बताया कि नेहरू चौक, शास्त्री नगर, कैम्प 01 निवासी प्रमिला सिन्हा ने रिपोर्ट दर्ज कराई। प्रार्थिया ने पुलिस को बताया कि वह अपने देवर-देवरानी के साथ एक ही कैंपस में रहती है। उसके पति रामलाल सिन्हा के बिजली कंपनी में ईई के पद कोण्डागांव में पदस्थ हैं। इसके चलते वह पति के पास आना-जाना करती है। 12 नवंबर को पति के पास जाने के लिए निकल गई। उस दौरान घर के अंदर का कमरा जिसके अंदर में आलमारी रखा हुआ है।

उक्त अलमारी में घर के इस्तेमाली सोने के जेवरात जिसमें गले का हार 1 नग, गले का हार सफेद मोती लगा हुआ, कंगन 2 नग, लक्ष्मी हार 1 नग, गले का चैन 1 नग, अमरिकन डायमंड लगा हुआ सोने का कान का टाप 3 जोड़ी, अंगूठी साउथ इंण्डियन डिजायईन 2 नग, अमेरिकन डायमंड अंगूठी 1 नग, 3 नग काला मोती से गुथा हुआ मंगलसूत्र टूटा हुआ, कान का 1 जोड़ी छोटा टाप्स, चांदी का सिक्का एवं पायल, बिछिया, करधन वजनी करीबन 1.5 किग्रा तथा 10, 20, 100, 200, 500 के नोट गडडी रखा हुआ था। करीबन 3,50,000 रुपए के गहने चोरी कर ले गया है।

सड़क सुरक्षा माह में किया स्कूल के बस चालकों का स्वास्थ्य परीक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,13 जनवरी। सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत माननीय उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुपालन के लिए पीजी कॉलेज मैदान में परिवहन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, यातायात विभाग एवं नगर सेना विभाग द्वारा संयुक्त रूप से स्कूल बसों की जांच तथा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। परिवहन विभाग के जिला परिवहन अधिकारी मोहन लाल साहू सहित राजेश देवांगन एवं सुमित सोनी की टीम ने बसों में लगे अग्निशमन यंत्र, आपातकालीन निकासी द्वार, स्पीड लिमिट डिवाइस, व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस, कैमरा, रिफ्लेक्टिव टेप तथा फर्स्ट-एड बॉक्स सहित सभी सुरक्षा उपकरणों की जांच की। शिविर में जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 120 बस चालक अपने-अपने वाहनों सहित उपस्थित हुए यातायात प्रभारी श्री अजयकांत तिवारी एवं टीम ने चालक एवं परिचालकों को यातायात नियमों के पालन तथा सुरक्षित वाहन संचालन संबंधी निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग से डॉ. धीरेंद्र शर्मा, नेत्र सहायक अधिकारी के नेतृत्व में सभी चालकों का स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण किया। सड़क सुरक्षा की दृष्टि से चालकों का फिट होना आवश्यक है। नगर सेना अधिकारी श्री श्रीवास्तव एवं टीम ने आगजनी अथवा दुर्घटना की स्थिति में आपातकालीन निकासी, बस में उपलब्ध अग्निशमन यंत्र के उपयोग तथा दुर्घटना की स्थिति में तुरंत कार्रवाई के संबंध में प्रशिक्षण दिया। शिविर के माध्यम से चालकों को सड़क सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं आपातकालीन प्रबंधन की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

ब्लास्ट फर्नेस ने हॉट मेटल उत्पादन में रचा नया कीर्तिमान

भिलाई, 13 जनवरी। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस-4 ने 11 जनवरी को उत्कृष्ट परिचालन प्रदर्शन करते हुए हॉट मेटल उत्पादन का अब तक का सर्वोच्च रिकॉर्ड स्थापित किया। इस दिन फर्नेस द्वारा 3,152 टन हॉट मेटल का उत्पादन किया गया, जिससे 01 दिसंबर, 2025 को बनाए गए 3,101 टन के पूर्व रिकॉर्ड को पार कर लिया गया। यह उल्लेखनीय उपलब्धि ब्लास्ट फर्नेस-4 की उच्च परिचालन क्षमता, बेहतर समन्वय तथा सतत सुधार की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का सशक्त प्रमाण है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का उत्सव ब्लास्ट फर्नेस-4 एफएफसीआर में केक काटकर मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक राहुल श्रीवास्तव एवं कार्यकारी मुख्य महाप्रबंधक श्रीनिवास गुज्जू सहित संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। इस उपलब्धि पर ब्लास्ट फर्नेस-4 की टीम एवं संबद्ध विभागों को बधाई देते हुए राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि फर्नेस के प्रदर्शन में निरंतर हो रही वृद्धि अत्यंत सराहनीय है।

ग्राम डुमरडीर में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई,13 जनवरी। आज ग्राम डूमरडीह में अक्सा इलेवन द्वारा आयोजित क्रिकेट मैच प्रतियोगिता के कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर जी ने बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित होकर और खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया। इस प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला उमरपोटी एवं खेदामारा टीमों के बीच खेला गया।

उमरपोटी विजेता रहा और उपविजेता खेदामारा रहा

विधायक ललित चंद्राकर जी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और हमें हमेशा खेल भावना के साथ खेलना चाहिए।

इस अवसर पर सरपंच धर्मेंद्र बंजारे, पार्षद श्री सोनू राजपूत, श्री शिव ठाकुर, मंडल महामंत्री श्री चंदू देवांगन, श्री प्रवीण यदु, पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री फत्तेलाल वर्मा, विधायक प्रतिनिधि श्री चंद्रहास चेलक, श्री हरीश यादव, श्री गिरीश शर्मा, श्री साजिद खान, श्री धनसिंह गायकवाड़, श्री लोकेश्वर ठाकुर, श्री दिलेश्वर यादव, श्री रामकुमार, श्री वानेंद्र कुमार, श्री मनीष साहू, श्री सीताराम यादव, श्री मिथलेश नारंग सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।इस प्रतियोगिता के आयोजन में अक्सा इलेवन की टीम ने बहुत मेहनत की और इसे सफल बनाया, इसके लिए उनकी सराहना की गई।

सोलर एजेंसियां उपभोक्ताओं के घर पहुंचकर दिलाएं पीएम सूर्य घर योजना का लाभ:पाठक

भिलाई, 13 जनवरी। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा हेतु बिजली वितरण कंपनी के डायरेक्टर राम अवतार पाठक ने दुर्ग रीजन अंतर्गत दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिलों की अधिकृत सोलर एजेंसियों के संचालकों एवं विभागीय मैदानी अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने एवं उपभोक्ताओं को समयबद्ध लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। डायरेक्टर पाठक ने सोलर एजेंसियों को निर्देशित किया कि पीएम सूर्य घर योजना के पोर्टल पर पंजीकृत उपभोक्ताओं के घरों में स्वयं पहुँचकर सभी प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करें, ताकि हितग्राहियों को योजना का अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि बैंकों से लोन स्वीकृत होने के बाद भी रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाने में अनावश्यक देरी की शिकायतें लगातार मिल रही हैं, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पाठक ने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण नहीं करने वाले सोलर वेंडरों को चिन्हांकित कर ब्लैकलिस्ट किया जा रहा है। ऐसे वेन्डर, जो दो-तीन माह से लोन स्वीकृति के बावजूद सोलर संयंत्र स्थापित नहीं कर रहे हैं, उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने, पंजीयन रद्द करने एवं जमा राशि जब्त करने की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा इस योजना के लिए सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों को सरल प्रक्रिया के तहत लोन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता संजय खंडेलवाल ने कहा कि बकाया राजस्व वसूली के साथ-साथ घरेलू उपभोक्ताओं को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घरों की छतों पर सौर संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जोन एवं वितरण केंद्र स्तर पर 300 यूनिट से अधिक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं की सूची तैयार कर उन्हें योजना से जोड़ने के लिए विशेष प्रयास किए जाएँ। उन्होंने यह भी कहा कि स्थापित सौर संयंत्रों की सिंक्रोनाइजिंग प्रक्रिया को अविलंब पूर्ण किया जाए। सोलर एजेंसियाँ लोन स्वीकृत होने के बाद रूफटॉप लगाने में देरी न करें। दुर्ग क्षेत्र के सभी सहायक अभियंता राष्ट्रीय पोर्टल पर लोन प्रक्रिया पूर्ण कर चुके उपभोक्ताओं की सूची वेन्डरों से प्राप्त कर, सौर संयंत्र स्थापना के पश्चात उपभोक्ता एग्रीमेंट एवं अन्य औपचारिकताओं को शीघ्र पूर्ण कराने में सहयोग प्रदान करें, जिससे कार्यों में तेजी लाई जा सके। समीक्षा बैठक में पीएम सूर्य घर योजना के स्टेट नोडल अधिकारी नार्गाजुन बिम्बसार, अधीक्षण अभियंता जे. जगन्नाथ प्रसाद, आर. के. मिश्रा, सहित दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिलों के सभी कार्यपालन अभियंता तथा सोलर एजेंसियों के संचालक उपस्थित रहे।

चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज के अधिवेशन में सदस्यों व विद्यार्थियों का सम्मान किया गया

भिलाई, 13 जनवरी। चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज भिलाई नगर का 45वाँ वार्षिक अधिवेशन एवं समाज के महान व्यक्तित्व श्रद्धेय चंदूलाल चंद्राकर जी की 105वीं जयंती का आयोजन दिनांक 11 जनवरी (रविवार) को संध्या 5ः00 बजे से कुर्मी भवन, सेक्टर-7, भिलाई में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि मुकेश चंद्राकर, अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई रहे। अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष गजेन्द्र चंद्राकर ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदीप चंद्राकर, अध्यक्ष चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज दुर्ग राज उपस्थित रहे। प्रमुख वक्ता के रूप में अश्वनी चंद्राकर, पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज ने संबोधित किया। विशेष रूप से संतोष पाटनवार अध्यक्ष छत्तीसगढ़ी कुर्मी क्षत्रिय समाज, शिव चंद्राकर महासचिव चंद्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज दुर्ग राज, श्रीमती सरिता मुरारी चंद्राकर महिला समाज भिलाई नगर, छगन चंद्राकर युवा अध्यक्ष, अजय चंद्राकर अध्यक्ष युवा कुर्मी मित्र मंडल भिलाई नगर की उपस्थिति रही। स्वागत भाषण समाज के अध्यक्ष गजेन्द्र चंद्राकर द्वारा दिया गया। महासचिव प्रतिवेदन मोरध्वज चंद्राकर, कोष प्रतिवेदन मदन चंद्राकर एवं छात्र विकास कोष प्रतिवेदन मनहरण चंद्राकर द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों से सेवानिवृत्त सामाजिक सदस्यों, समाज में विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाले सदस्यों एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। साथ ही समाज के बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें उपस्थित जनों ने सराहा। कार्यक्रम में व्यवसाय, संगठन, पत्रकारिता एवं कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु निम्न जनों को चंदूलाल चंद्राकर स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया- कृष्णा चंद्राकर, केदार चंद्राकर, डॉ. ताराचंद चंद्राकर, श्रीमती मनीषा चंद्राकर। संचालन महासचिव मोरध्वज चंद्राकर एवं सचिव राजेंद्र चंद्राकर द्वारा किया गया, जबकि आभार प्रदर्शन समाज के उपाध्यक्ष राजेंद्र चंद्राकर ने किया।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर मनीष पाण्डेय ने दी श्रद्धांजलि

भिलाई, 13 जनवरी । भाजपा नेता एवं श्रीराम जन्मोत्सव समिति के युवा विंग अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने स्वामी विवेकानंद जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर सेक्टर-06 स्थित कालीबाड़ी पहुँचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पाण्डेय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने अपने विचारों, ओजस्वी वाणी और जीवन दर्शन के माध्यम से युवाओं में आत्मविश्वास, राष्ट्रभक्ति और सेवा भाव का संचार किया। उनका जीवन आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का अमूल्य स्रोत है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को आत्मसात कर समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के पश्चात पाण्डेय ने कालीबाड़ी मंदिर में भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद भी प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता और भारतीय संस्कृति से जुड़कर ही युवा अपने जीवन को सार्थक और उद्देश्यपूर्ण बना सकते हैं। स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों एवं युवाओं की सहभागिता भी रही। उपस्थित सभी लोगों ने उनके विचारों को जीवन में अपनाने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, पश्चिम मंडल अध्यक्ष गोल्डी सोनी, तिलकराज यादव, भाजयुमो जिलाध्यक्ष सौरभ जायसवाल सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दो पहिया वाहनचालकों को बिना हेलमेट लगाए पेट्रोल पंपों में नहीं मिलेगा पेट्रोल

दुर्ग, 13 जनवरी । कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अभिजीत सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वाले वाहन चालक/सवार को किसी भी पेट्रोल पंप संचालकों की ओर से आकस्मिक सेवा मेडिकल इमरजेंसी एवं धार्मिक पगड़ी पहनने वाले व्यक्तियों को छोड़कर पेट्रोल एवं अन्य उपयोगी ईंधन उपलब्ध नहीं कराने संबंधी आदेश दिये हैं। जिला दण्डाधिकारी के आदेशानुसार सभी पेट्रोल पम्प संचालक उक्त नीति के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु पेट्रोप पम्प परिसर में 'नो हेलमेट, नो पेट्रोल' का सुस्पष्ट बोर्ड/पोस्टर अनिवार्य रूप से लगाएंगे। उक्त आदेश का उल्लंघन किए जाने पर पेट्रोल पम्प संचालकों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता के तहत विधि अनुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश जनहित में नागरिकों के जीवन की सुरक्षा के दृष्टिकोण से तत्काल पारित किया जाना अत्यावश्यक हैं एवं इतना समय उपलब्ध नहीं हैं कि सभी पक्षों को सूचना दी जाए। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (2) के तहत एक पक्षीय जारी किया गया हैं। यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है और आगामी आदेश पर्यन्त लागू रहेगा।ज्ञात हो कि दुर्ग जिले में दोपहिया वाहन चालकों को स्वयं की सुरक्षा के लिए हेलमेट धारण करने व सड़क दुर्घटनाओं से हो रही जन-धन की हानि को नियंत्रित करने हेतु लगातार जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर आमजन को जागरूक किया जा रहा है।

अज्ञात युवक का शव मिला

भिलाई, 13 जनवरी (तछसं.)। भिलाई कुम्हारी थाना क्षेत्र के एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया पुलिस ने प्रारंभिक जांच में हत्या या किसी अन्य आपराधिक घटना से इनकार किया है पुलिस का कहना है कि युवक की मौत सामान्य हार्ट अटैक से हुई होगी हालांकि, स्थिति पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी पुलिस के अनुसार, जियो पेट्रोल पंप के पीछे युवक का शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला। मौके पर उसकी उम्र करीब 27 से 30 वर्ष के बीच आंकी गई। युवक की शर्ट खुली हुई थी और बेल्ट भी खुली मिली। शरीर पर किसी भी प्रकार के चोट के निशान नहीं पाए गए, जिससे पुलिस को हादसे या मारपीट की आशंका नहीं है।

एक नजर

लेखा प्रशिक्षण के लिए आवेदन 31 जनवरी तक आवेदन आमंत्रित

बलौदाबाजार, 13 जनवरी।(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। संचालनालय कोष, लेखा एवं पेंशन के आदेशानुसार आगामी लेखा प्रशिक्षण सत्र मार्च 2026 से जून 2026 के लिये 01 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 के मध्य की अवधि में आवेदन पत्र स्वीकार किये जायेंगें।इस तिथि के पूर्व एवं पश्चात प्राप्त आवेदन-पत्रों पर विचार नही किया जाएगा। निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र ही मान्य होगा। प्राचार्य शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला से मिली जानकारी के अनुसार लेखा प्रशिक्षण सत्र मार्च 2026 से जून 2026 के लिए 3 वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर चुके लिपिक वर्गीय कर्मचारी अपने कार्यालय प्रमुख के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में के आवेदन पत्र भेज सकते है। यह आवेदन शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला,नगर घड़ी चौक रायपुर को 31 जनवरी 2026 तक कार्यालयीन समय में प्राप्त हो जाना चाहिए।लिपिक वर्गीय कर्मचारी से आशय ऐसे कर्मचारी से है जिनकी पदस्थापना लिपिकीय संवर्ग के पद पर हुई है न कि किसी तकनीकी संवर्गीय पद पर इसी प्रकार केवल सचिवालय,वन विभाग के ऐसे स्टेनो जो केम्प कलर्क के रूप में कार्य करते हो तथा संचालनालय कोष,लेखा एवं पेंशन के स्टेनोग्राफर को छोड़कर अन्य विभागों के स्टेनोग्राफर्स प्रवेश के पात्र नही है। मानक आवेदन पत्र पर ही आवेदन स्वीकार किये जायेंगें। आवेदन जिस सत्र के प्रशिक्षण हेतु किया गया है, उस सत्र के लिये ही मान्य होगा। पूर्व प्रचलित आवदेन पत्र स्वीकार नही किये जायेंगें। आवेदन पत्र के साथ अन्य आवश्यक सुसंगत दस्तावेज संलग्न होना चाहिए। आवेदन का निर्धारित प्रारूप एवं निर्देश जिला कोषालय के सूचना पटल पर अवलोकन किये जा सकते हैं।

महिला के पास से अवैध शराब की जब्त

डोंगरगढ़ 13 जनवरी।(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस ने अवैध शराब की कार्रवाई करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर जलाराम पेट्रोल पंप के पास झोपड़ीनुमा दुकान में रेड कर ममता साहू के कब्जे से 18 पाव देशी मदिरा (कुल 3.240 बल्क लीटर) तथा बिक्री की नगदी 350 रुपये जब्त की गई। उक्त महिला को शराब बेचते हुए पकड़ा गया, पुलिस ने आबकारी अधिनियम की धारा 34(ए) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर महिला के विरुद्ध अपराध पंजीबद् किया गया. उक्त कार्यवाही में प्रधान आरक्षक केवल देवदास, आरक्षक अजय जोशी, महिला आरक्षक प्रेमिन मांडवी का योगदान रहा।

राजेश अग्रवाल ने की राजिम कुंभ की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा

रायपुर,13 जनवरी।(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज महानदी भवन, नवा रायपुर स्थित मंत्रालय में राजिम कुम्भ (कल्प) मेला-2026 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। 1 से 15 फरवरी तक गरियाबंद जिले के त्रिवेणी संगम पर लगने वाले इस विशाल धार्मिक आयोजन को पूर्ण गरिमा, दिव्यता एवं भव्यता के साथ संपन्न करने के निर्देश दिए। श्री अग्रवाल ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं समन्वित रूप से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होने कहा कि सभी तरह की आवश्यक व्यवस्थाएं 1 फरवरी से पहले पूर्ण हो जानी चाहिए। श्री अग्रवाल ने सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, लाखों श्रद्धालुओं के संगम स्नान हेतु व्यापक सुरक्षा बल तैनाती, जल प्रबंधन, आवागमन-सुविधा, सड़क, पार्किंग, शटल सेवा, संत-महात्माओं के लिए विश्राम गृह और कांवड़ियों हेतु शेड, चिकित्सा, भोजन, आपातकालीन चिकित्सा केंद्र, दाल-भात केन्द्र, पेयजल व्यवस्था, सांस्कृतिक आयोजन, भक्ति संगीत, लोकनृत्य, अखाड़ा जुलूस, मीना बाजार एवं अन्य पहलुओं की व्यापक एवं गहन समीक्षा की।

महाराज जी ससंघ का धर्मनगरी डोंगरगढ़ में हुआ मंगल प्रवेश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 13 जनवरी। 108 पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी ससंघ (25 मुनिराज) का 12 जनवरी दिन सोमवार को प्रातः धर्म नगरी डोंगरगढ़ में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर साधर्मी बंधुओं ने जोर ङ्क शोर से भगवान एवं गुरु जी का जय ङ्क जय कार कर मुनिसंघ कि अगवानी की गई। जैसे ङ्क जैसे मुनि संघ आगे बढ़ते गए वैसे ङ्क वैसे उनके श्रधालुओं कि भीड़ भी बढ़ती गई । सभी साधर्मियों ने घर के सामने एवं रास्तों में रंग बिरंगी रंगोली बनाकर एवं मुनि संघ कि आरती कर एवं उनके पाद प्रक्षालन कर उनका अपने नगर में हर्षोलास के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया । पंडित जवाहर लाल नेहरु महाविद्यालय के पास से शोभा यात्रा कचहरी चौक से भगत सिंह चौक होते हुए श्री दिगम्बर जैन मंदिर पहुंची । मुनिसंघ ने श्री दिगम्बर जैन मंदिर में भगवान के दर्शन किये तत्पश्चात जैन भवन में श्री दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष अनिल जैन, कोषाध्यक्ष श जय कुमार जैन एवं सचिव सुरेश चन्द जैन और उपस्थित महानुभावों ने मुनि संघ के साथ पद विहार कर आ रहे साधार्मियों को श्रीफल भेंट कर, तिलक लगाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया एवं कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगलाचरण कर, भगवान का चित्र अनावर्ण कर दीप प्रज्वलित कर किया गया । 108 पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी का प्रवचन हुआ जिसमे उन्होंने कहा कि ङ्क जीव दया सर्वोपरि है, एक चीटी की जान बचाना भी दया धर्म है और अहिंसा का मार्ग है. जीव की कभी मृत्यु नहीं होती है. वह एक पर्याय से दूसरी पर्याय में अपने कर्म के अनुरूप भ्रमण करते रहता है. मनुष्य, तिर्यंच, देव, नारकी. जिस प्रकार जल का स्वाभाव शीतल, अग्नी का स्वभाव उष्ण होता है उसी प्रकार हर कार्य का कोई न कोई कारण अवश्य ही होता है. बीना कारण के कोई कार्य नहीं होता है परन्तु कोई भी कार्य धर्म नहीं होता है धर्म तो धर्म ही होता है. दोपहर में 108 पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी ससंघ (25 मुनिराज) श्री दिगम्बर जैन अतिशय तीर्थ क्षेत्र चंद्रगिरी एवं 108 आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के समाधी स्थली के दर्शनार्थ चंद्रगिरी पहुंचे । यहाँ मुनिसंघ की अगवानी के लिये 105 आर्यिका श्री सिद्वांतमति माता जी ससंघ, प्रतिभास्थली कि छात्राये एवं ब्रह्मचारिणी दीदीयां उपस्थित थी जिन्होंने रंग बिरंगी रंगोली बनाकर, आरती कर एवं पाद प्रक्षालन कर मुनिसंघ का स्वागत, अभिनन्दन किया । उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये श्री दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष अनिल जैन एवं श्री दिगम्बर जैन अतिशय तीर्थ क्षेत्र चंद्रगिरी के अध्यक्ष सेठ सिंघई किशोर जैन ने उपस्थित साधर्मियों को धन्यवाद ज्ञापित कर साधुवाद दिया ।

बालोद के ग्राम दुधली में प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी का भव्य एवं ऐतिहासिक समापन

स्काउट एक जीवन पद्धति है, जो हमें चुनौतियों से जूझना सिखाती हैः साय

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 13 जनवरी। स्काउट जीवन जीने की एक पद्धति है, जो व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों में भी आत्मनिर्भर बनना, टीम भावना से कार्य करना और समाज के लिए समर्पित रहना सिखाती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज बालोद जिले के ग्राम दुधली में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी के भव्य समापन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने देश के विभिन्न राज्यों से पधारे रोवर-रेंजरों एवं स्काउट-गाइड्स का भगवान श्रीराम के ननिहाल और माता शबरी की तपोभूमि छत्तीसगढ़ में आत्मीय अभिनंदन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह जंबूरी केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की विविधता में एकता का जीवंत उत्सव है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश में पहली बार इस स्तर की राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी का आयोजन होना और उसके लिए छत्तीसगढ़ का चयन होना पूरे राज्य के लिए गौरव की बात है। यह आयोजन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को साकार करता है। उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों के रोवर-रेंजरों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, झांकियों और गतिविधियों के माध्यम से भारत की समृद्ध विविधता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा ही राज्य और देश का भविष्य हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के प्रेरक वाक्य उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए का उल्लेख करते हुए युवाओं को आत्मविश्वास और संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्काउट-गाइड संगठन द्वारा सिखाए गए अनुशासन, सेवा-भाव, नेतृत्व और टीमवर्क जैसे मूल्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार करते हैं। मुख्यमंत्री ने कोरोना काल में स्काउट-गाइड्स द्वारा किए गए सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने समाज को जागरूक और सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' के तहत उपस्थित युवाओं को शपथ भी दिलाई। 9 से 13 जनवरी तक आयोजित इस पांच दिवसीय जंबूरी में देश-विदेश से 15 हजार से अधिक रोवर-रेंजरों ने भाग लिया। समापन समारोह के दौरान देशभर से आए प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे वातावरण को भारतीय कला, संस्कृति और सौहार्द से सराबोर कर दिया।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर जिले के 110युवाओं ने किया काव्यपाठ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 13 जनवरी। खेल एवं युवा कल्याण बलौदाबाजार-भाटापारा द्वारा स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस के अवसर पर 12 जनवरी 2026 को जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन किया गया । इस अवसर पर जिला के लगभग 110 युवाओं ने काव्य पाठ, स्वामी विवेकानंद जी का अमर संदेश पर आधारित भाषण - युवाओं के प्रेरणास्त्रोत और राष्ट्रनिर्माण के पथप्रदर्शक एवं रंगोली - युवा शक्ति प्रतियोगिता में भाग लिया। खेल अधिकारी श्रीमती प्रीति बंछोर बिजौरा ने बताया कि भाषण प्रतियोगिता में साक्षी अग्रवाल ने प्रथम, श्रद्धा त्रिपाठी ने द्वितीय एवं दिपांशु तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, इसी प्रकार काव्य पाठ प्रतियोगिता में सोनल वर्मा ने प्रथम एवं नसरीन निशा ने द्वितीय एवं प्रफुल्ल ने तृतीय स्थान, रंगोली प्रतियोगिता में पल्लवी ने प्रथम सिमरन ने द्वितीय एवं ने तेजल वर्मा तृतीय स्थान प्राप्त किया।

हत्या की घटना को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार 13 जनवरी। प्रार्थी धनऊ राम ध्रुव निवासी ग्राम गदहीडीह द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि दिनांक 10.01.2026 को सायं 07.15 बजे लगभग इसके पुत्र चुम्पेश्वर ध्रुव से कुछ आरोपियों द्वारा चाकू आदि से गंभीर रूप से मारपीट कर दिया गया है, जिससे उसे गंभीर चोंटे आई है। तत्पश्चात चुम्पेश्वर ध्रुव को ईलाज हेतु जिला अस्पताल बलौदाबाजार लाया गया जहां डॉक्टर द्वारा चेक करने पर चुम्पेश्वर ध्रुव को मृत होना बताया गया। कि रिपोर्ट पर थाना लवन में अपराध क्र. 22/2026 धारा 103(1),3(5) बीएनएस एवं 25,27 आर्म्स एक्ट का प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में थाना लवन पुलिस द्वारा जांच में विवेचना कार्यवाही प्रारंभ किया गया। पुलिस द्वारा घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों, ग्रामीणों एवं अन्य गवाहों से विस्तृत पूछताछ किया गया, जिसके आधार पर प्रकरण में शामिल एक विधि से संघर्षरत बालक सहित 02 आरोपियों को हिरासत में लिया गया, जिनसे पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा नशा करने की बात को लेकर झगड़ा विवाद होने एवं इस दौरान आवेश में आकर मृतक चुम्पेश्वर ध्रुव पर चाकू से प्राण घातक वारकर उसे गंभीर रूप से घायल कर मोटरसाइकिल की सहायता से फरार हो जाना स्वीकार किया गया। कि प्रकरण में आरोपियों से एक चाकू एवं घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल छ्त्त04 छ्क्र9039 बरामद किया गया है तथा दोनों आरोपियों को आज दिनांक 12.01.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है। मामले में एक आरोपी फरार है जिसकी सरकारी से पतातलाश की जा रही है।

बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण जागरूकता अभियान चलाकर महिलाओं ,को किया जागरूख

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार 13 जनवरी। नवीन कानून, महिला अधिकार, महिला संबंधी विविध अधिनियमों के संबंध में आमजनों विशेष कर महिलाओं/बालिकाओं को इसकी जानकारी होना आवश्यक है। इसके साथ ही आज के आधुनिक काल में छात्राओं एवं महिलाओं को साइबर फ्रॉड एवं सोशल मीडिया से संबंधित समस्त तथ्यों के संबंध में जानकारी होना भी अत्यंत आवश्यक है। तत्संबंध में महिला अधिकार, महिला सुरक्षा एवं महिला संबंधी शासन की विभिन्न योजनाओं के संबंध में महिलाओं को जानकारी प्रदान करने हेतु पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में आज दिनांक 12.01.2026 को पुलिस कम्युनिटी हॉल बलौदाबाजार में महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सुश्री दीपा सोनी, चीफलीगल एड डिफेंस काउंसिल, सुश्री मंजू तिवारी,महिला संरक्षण अधिकारी, सुश्री आशा शुक्ला, उपसंचालक समाज कल्याण, श्रीमती प्रीति नवरंग, जिला समन्वयक महिला सशक्तिकरण, श्रीमती नंदनी वर्मा, सदस्य परिवार परामर्श केंद्र बलौदाबाजार की टीम द्वारा महिला अधिकारों, महिला संबंधी विविध अधिनियमों एवं शासन द्वारा महिला स्वरोजगार के संबंध में संचालित मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना आदि के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया। कार्यक्रम में एसडीओपी बलौदाबाजार सुश्री अपूर्वा क्षत्रिय, श्रीमती उषा सोंधिया उप पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित महिलाओं को नवीन कानून एवं महिला सुरक्षा के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम में महिलाओं को महिला एवं बाल सुरक्षा संबंधी विविध अधिनियमों, महिला अधिकार, सोशल मीडिया का सही उपयोग, साइबर फ्रॉड आदि के संबंध में भी जानकारी प्रदान किया गया। पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि, किसी भी ग्राम, नगर एवं समाज में अवैध गतिविधि एवं अंवैधानिक कार्यों को रोकने में महिलाओं का सबसे विशिष्ट स्थान है। आप सभी अपने अधिकारों को पहचाने, किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

कलेक्टर ने की धान खरीदी प्रगति की समीक्षा, उठाव में तेजी लाने व कड़ी निगरानी के निर्देश

■ जिले में अब तक 108548 किसानों से 536739 मीट्रिक टन धान खरीदी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 13 जनवरी । कलेक्टर दीपक सोनी ने शुक्रवार को खाद्य, सहकारिता, कृषि एवं अन्य सम्बंधित विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर धान खरीदी प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने समिति एवं उपार्जन केंद्रों से तेजी से धान उठाव करने एवं मिलर्स पर सख्ती के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि उपार्जन केंदो से शीघ्र धान उठाव कराएं ताकि जाम की स्थिति निर्मित न हो। जो मिलर धान उठाव में रूचि नहीं ले रहे उन पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। थोक एवं फुटकर विक्रेताओं पर कड़ी निगरानी के निर्देश दिये। इसके साथ ही संयुक्त टीम द्वारा जांच एवं निरोक्षण नियमित रूप से जारी रखने कहा। बताया गया कि जिले के सभी 166 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी जारी है एवं अब तक 108548 किसानों से 536739 मेट्रिक टन धान खरीदी एवं 244624 मीट्रिक टन का उठाव किया गया है।

अस्थिबाधित दिव्यांगों को सक्षम ने किया निशुल्क साइकिल वितरण

डोंगरगढ 13 जनवरी। समदृष्टि ,क्षमता विकास एवं अनुसंधान मण्डल सक्षम छ.ग.प्रान्त द्वारा द्यह्लद्बह्वह्य के सहयोग से लाइवलीहुड ऑन व्हीकलस सक्षम एक नई उड़ान अस्थि बाधित दिव्यांग जनों को नि:शुल्क ई. साईकल वितरण अस्थि बाधित दिव्यांगजनों के हितार्थ संगठन सक्षम भारत की छत्तीसगढ़ प्रांत सक्षम समदृष्टि क्षमता विकास एवं अनुसंधान तथा Altius के सहयोग द्वारा 11 जनवरी दिन रविवार को रायपुर में श्री राम मंदिर प्रांगण के वाल्मीकि हॉल में आयोजित कार्यक्रम में अस्थि बाधित दिव्यांगजनों को निशुल्क ई.साइकिल प्रदान की गई जिसमें छत्तीसगढ़ प्रांत के लगभग 58 लाभार्थी को निशुल्क ई.साइकिल वितरित किया गया। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री भुवनेश यादव सचिव समाज कल्याण विभाग एवं आयुक्त दिव्यांगजन , विशिष्ट अतिथि देवव्रत सिरमौर पुलिस अधीक्षक गरियाबंद एवं उज्जवल पौरवाल अपर कलेक्टर मार्कफेड सीजी एमएससी परिस्थित थे. इस अवसर पर भुवनेश यादव ने कहा ई.साइकिल दिव्यांगजनों को आने-जाने में जहां सुगमता प्रदान करेगी, वहीं इन्हें देश में सक्षम लोगों के साथ कदम से कदम मिलाकर देश की उन्नति में सहयोग कारक बनेगी और दिव्यांगजन आज सभी क्षेत्र अपने अच्छे प्रयासों से सक्षम व्यक्ति के बराबर कदम से कदम मिलाकर देश और राष्ट्र निर्माण में लगे हुए हैं उक्त कार्यक्रम छ.ग.सक्षम संगठन के द्य रामजी राजवाड़े जी एवं सतीश राजवाड़े के अथक प्रयासों से उक्त पुनीत कार्य सम्भव हो पाया राजनांदगांव जिले से चार दिव्यांगजन जिसमें ऋषि मिश्रा डोंगरगढ़ ,धीरेंद्र सिन्हा भण्डारपुर, रामदास त्रिपाठी जी राजनांदगांव एवं सुश्री ममता चंद्रवंशी जी कोठीटोला को ई.साइकिल निशुल्क वितरित की की गई।

मायरा परिवार का श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

श्रद्धा, भक्ति और संस्कारों का अनुपम संगम रहा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर 13 जनवरी। नगर में आध्यात्मिक चेतना, धार्मिक उल्लास और सांस्कृतिक संस्कारों को सुदृढ़ करने हेतु श्री राम जी का मायरा परिवार संघ द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ 4 जनवरी 2026 को हुआ और यह दिव्य आयोजन 11 जनवरी 2026 को हवन, पूर्णाहुति एवं महाप्रसाद वितरण के साथ भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। कथा का आयोजन अशोका आइकॉन, रिलायंस मार्ट के पास, क्लब हाउस, दलदल सिवनी रोड, मोवा, रायपुर में किया गया, जहाँ प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कथा का शुभारंभ 4 जनवरी को प्रातः 10 बजे कलश स्थापना के साथ हुआ। वेद मंत्रोच्चार, मंगल ध्वनि और भक्तों की जयकारों के बीच मातृशक्ति द्वारा विधिवत कलश स्थापना की गई। इसके पश्चात प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराया गया। कथा प्रवचन श्री धाम अयोध्या जी से पधारे सुप्रसिद्ध कथावाचक आचार्य श्री रवि मोहन जी महाराज द्वारा किया गया। अपने ओजस्वी वाणी, मधुर भजनों और सरल उदाहरणों से उन्होंने भागवत के गूढ़ तत्वों को जन-जन तक पहुँचाया।

कथा के प्रथम दिवस विष्णु-लक्ष्मी चरित्र का सुंदर वर्णन हुआ, जिसमें सृष्टि के पालन, मर्यादा और ऐश्वर्य का भावपूर्ण चित्रण किया गया। द्वितीय दिवस शिव विवाह महोत्सव की कथा ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। तृतीय दिवस वामन अवतार की झांकी प्रस्तुत की गई, जिसने दैत्यराज बलि और भगवान वामन के प्रसंग के माध्यम से विनय और धर्म का संदेश दिया। 7 जनवरी (बुधवार) को श्रीकृष्ण जन्म का प्रसंग कथा का विशेष आकर्षण रहा। नंदोत्सव के दौरान पूरा पंडाल ÷नंद के आनंद भयो के जयघोष से गूंज उठा। झांकियों, भजनों और पुष्पवर्षा के बीच भक्तों ने जन्मोत्सव का आनंद लिया। इसके बाद 8 जनवरी को बाल लीला, 9 जनवरी को रुक्मिणी मंगल विवाह, तथा 10 जनवरी को भक्त सुदामा चरित्र का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया गया। सुदामा-श्रीकृष्ण मिलन प्रसंग ने उपस्थित श्रद्धालुओं की आँखें नम कर दीं और सच्ची मित्रता व भक्ति का अनुपम संदेश दिया।

पूरे आयोजन के दौरान वातावरण पूर्णतः सात्त्विक, अनुशासित एवं भक्तिमय रहा। महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठजनों की सहभागिता उल्लेखनीय रही। कथा स्थल को आकर्षक सजावट, धार्मिक प्रतीकों और झांकियों से सुसज्जित किया गया था। आयोजन को सफल बनाने में श्री राम जी का मायरा परिवार संघ के संरक्षक श्री सुरेश गोयल जी (खेदडिया) , ठंडीराम गर्ग जी, नवरंगलाल जिंदल जी, तनसुख राय गोयल जी, रमेश मित्तल जी, शकुंतला अग्रवाल जी,शीतल गोयल जी, सहित राम जी का मायरा परिवार संघ के समस्त सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

11 जनवरी 2026 को प्रातः 11 बजे हवन एवं पूर्णाहुति का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आहुतियाँ समर्पित कर विश्व कल्याण, शांति और समृद्धि की कामना की गई। इसके पश्चात दोपहर 1 बजे से महाप्रसाद वितरण हुआ, जिसमें समस्त श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। समापन अवसर पर आयोजकों ने कथा प्रवक्ता, सहयोगकर्ताओं एवं उपस्थित जनसमूह के प्रति आभार व्यक्त किया। यह सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा न केवल एक धार्मिक आयोजन रही, बल्कि समाज में संस्कार, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना का संदेश देने वाला एक प्रेरणादायी पर्व सिद्ध हुई। श्रद्धालुओं ने आयोजकों से भविष्य में भी ऐसे आध्यात्मिक कार्यक्रमों के आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की।

जो गलती वामनेताओं ने की,वही ममता कर रही

जो समझदार व दूरदर्शी नेता व राजनीतिक दल होते हैं, वह पिछली सरकार व सत्तारूढ़ राजनीतिक दल की गलितयों से सबक लेते हैं, जो समझदार व दूरदर्शी नेता नहीं होते हैं वह पिछली सरकार व सत्तारूढ़ दल की गललियों से कोई सबक नहीं लेते हैं और जाने अनजाने में वही गलतियां करते हैं जिसकी वजह से जनता ने पिछली सरकार व सत्तारूढ़ दल को सत्ता से हमेशा के लिए हटा दिया था। पं बंगाल मे वामदलों का शासन कई दशकों तक रहा है, इससे साफ है कि शुरू में उन्होंने कुछ तो अ्चछे काम किए या अच्छा काम करने के लिए जनता ने उनको आगे मौका भी दिया। लंबे समय तक सत्ता में रहने पर राजनीतिक दलों में एक अजीब से अहंकार आ जाता है कि हमारे जैसा कोई नहीं है, हम ही सबसे अच्छे हैं। हमारा कोई विकल्प नहीं है। बाद के सालों वामदलों मे भी यह अहंकार आ गया कि हमारा कोई विकल्प नहीं है, हम जो जी चाहे करेंगे और जनता हमको ही चुनने को विवश है। वामदलों में तो सत्ता का अंहकार कुछ देर से आया इसलिए जनता ने उनको कुछ देर से हटाया है. जिन गलतियों के कारण पं.बंगाल की जनता ने वामदलों को हटाया था, वह सबसे प्रमुख कारण था सत्ता के अहंकार में कानून,लोकतंत्र व जनता किसी की परवाह न करना ।अपने खिलाफ बोलने व कुछ करने वालों को डराना, न डरने पर मार देना। सबसे ज्यादा राजनीतिक हिंसा कोई राजनीतिक दल तब करता है जब वह खुद को कानून से ऊपर समझने लगता है। निरंतर सत्ता में रहने के कारण वामदलों के नेताओं ने खुद को कानून से ऊपर से समझना शुरू कर दिया, जब भी कोई राजनीतिक दल खुद को सत्ता के अहंकार में खुद को कानून से ऊपर समझने लगता है तो जनता उसे चुनाव में हराकर अच्छे से समझा देती है कि न तो तुम कानून से ऊपर न ही जनता से ज्यादा ताकतवर है। वामदलों से सत्ता से हटाकर फिर कभी सत्ता नहीं देकर पं. बंगाल की जनता से जो सबक राजनीतिक दलों को दिया था, वह सबक टीएमसी की नेता ममता बैनर्जी भूल गई है। कांग्रेस व वामदलों तो उनकी गलतियों की सजा पं. बंगाल की जनता ने दे दी है। दोनों को वहां की जनता अब सत्ता के लायक नहीं समझती है ।जनता ने ममता बैनर्जी को मौका दिया तो यह सोचकर दिया था कि यह दोनों राजनीतिक दलों से अलग है, ममता बैनर्जी को कांग्रेस व वामदलो की तुलना में ज्यादा ईमानदार, जनता की ज्यादा सेवा करने वाली नेता मानकर जनता ने पहला मौका २०११ में दिया उसके बाद दो बार और मौका दिया। पंद्रह साल में ही ममता बैनर्जी को कांग्रेस व वामदलों से ज्यादा अहंकार आ गया है, यही वजह है कि आज वह काम भी वह करने से नहीं डर रहीं है जो कांग्रेस व वामदलों ने भी नहीं किया। ममता बैनर्जी तो जांच एजेंसी को जांच करने से रोक दी है। जांच एजेसी कही छापा मारती है तो वह किसी तो बताकर नही मारती है, ममता बैनर्जी व पुलिस का कहना है कि उसने बता कर छापा नहीं मारा। यह ईडी की गलती है, ईडी की दूसरी गलती यह है कि जो संस्था टीएमसी व ममता बैनर्जी का काम रही है, उसके यहां छापा क्यों मारा ।पहचान पत्र नहीं दिखाए। बंगाल पुलिस ने इसी आधार पर ईडी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच भी शुरू कर दी है। ईडी के साथ पं. बंगाल में जैसा हो रहा है,शायद किसी राज्य हुआ हो। ईडी कई राज्यो में छापा मारती है, लेकिन किसी राज्य में सीएम या मंत्री छापे वाली जगह जाकर ईडी को जांच करने से कभी नहीं रोका.ईडी की मौजूदगी से जांच स्थल से कोई नेता मंत्री आज तक कोई दस्तावेज नही ले जा सका है। सब जानते है कि यह ईडी का संवैधानिक अधिकार है.। पं. बंगाल पहला ऐसा राज्य है जहां ईडी को जांच करने से रोका गया है और जांच स्थल से ईडी के सामने कई फाइलें लेकर सीएम ममता बैनर्जी व उनके पुलिस के अधिकारी ले गए ।यह तो सीधे सीधे खुद का कानून से ऊपर समझना है। ईडी व केंद्र सरकार का यह संदेश देना है कि आप दूसरे राज्य में जांच कर सकते हैं लेकिन पं. बंगाल में हमारी मर्जी के बिना कोई जांच नहीं कर सकते ।भ्रष्टाचार करना और उसकी जांच न होने देना.भ्रष्टाचार के सबूत जांच एजेंसी के हाथ से छीन लेना ऐसे काम हैं जिससे जनता में संदेश गया है कि ममता को सत्ता का अहंकार हो गया है, वामदलों से ज्यादा अहंकार हो गया है। यही गलती वामदलों ने की थी,यही कांग्रेस ने की थी,उनको वहम था कि जनता उनके साथ है और हमेशा रहेगी लेकिन जनता उस नेता व राजनीतिक दल के साथ नहीं रहती है जिसे खुद को सबसे बड़ा होने का अहंकार हो जाता है।

पर्व

सूर्य आराधना, सांस्कृतिक एकता और नव संकल्प का महापर्व मकर संक्रांति

सुनील कुमार महला

सूर्य, संस्कृति और संकल्प का पर्व है मकर संक्रांति, जो हर वर्ष 14 जनवरी के दिन पूरे भारत में हर्षोल्लास और खुशी से मनाया जाता है। दरअसल, मकर संक्रांति सूर्य, पृथ्वी और ऋतुओं के बीच के संबंध को दर्शाने वाला पर्व है। वास्तव में यह पर्व हमें पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देता है। पाठक जानते होंगे कि इस दिन सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं। इसे सूर्य के उत्तरायण होने की शुरुआत माना जाता है। यह पर्व चंद्रमा नहीं बल्कि सूर्य की गति पर आधारित है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि प्राचीन वैदिक काल में कृषि, ऋतु परिवर्तन और सूर्य की स्थिति के आधार पर ही पर्वों का निर्धारण किया जाता था और यही कारण है कि यह पर्व लगभग हर वर्ष एक ही तिथि को आता है। हालांकि, मकर संक्रांति कभी 13 जनवरी, कभी 14 तो कभी 15 जनवरी को भी पड़ती है। चूंकि यह सौर चक्र पर आधारित है, इसलिए हर साल सूर्य के राशि परिवर्तन में लगभग 20 मिनट का अंतर आता है और यही कारण है कि हर 80 साल में संक्रांति की तारीख एक दिन आगे बढ़ जाती है। मुगल काल में यह अक्सर 10-11 जनवरी को मनाई जाती थी। हमारे पौराणिक ग्रंथों ऋग्वेद और यजुर्वेद में सूर्य की उपासना और उत्तरायण को शुभकाल बताया गया है। मकर संक्रांति से दिन बड़े और रातें छोटी होने लगती हैं। दरअसल,मकर संक्रांति से सूर्य दक्षिणासनय से उत्तरायण की ओर बढ़ता है। इसका वैज्ञानिक कारण है। सूर्य धीरे धीरे उत्तरी गोलार्ध की ओर झुकता है, जिससे दिन बड़े और रातें छोटी होने लगती हैं ।ज्यादातर लोग मानते हैं कि इस दिन से उत्तरायण शुरू होता है, लेकिन

वैज्ञानिक दृष्टि से उत्तरायण 21 या 22 दिसंबर को ही शुरू हो जाता है। मकर संक्रांति वह दिन है जब सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। वास्तव में, यह पर्व आत्मिक जागरण तथा सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना गया है ।इस दिन गंगा, यमुना, गोदावरी जैसी नदियों में स्नान-दान का विशेष महत्व तथा तिल, गुड़, खिचड़ी और दान का विशेष धार्मिक मूल्य माना गया है ।देखा जाए तो एक प्रकार से यह दान-पुण्य का पर्व है। कहते हैं कि महाभारत के भीष्म पितामह ने सूर्य के उत्तरायण होने का इंतज़ार किया और मकर संक्रांति के दिन ही देह त्यागी थी और यही कारण है कि इस दिन को मोक्षदायी माना जाता है। पौराणिक कथाओं में विवरण मिलता है कि भगवान सूर्य इस दिन अपने पुत्र शनि देव के घर (मकर राशि) जाते हैं। इसीलिए इस पर्व को पिता-पुत्र के संबंधों में मधुरता और सामाजिक समरसता का भी प्रतीक माना जाता है ।यह भी मान्यता है कि इसी दिन(मकर संक्रांति के दिन) ही माता गंगा पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं और इसलिए गंगा स्नान को अत्यंत पुण्यकारी माना गया है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन, प्रयागराज का माघ मेला और कुंभ मेला, आधिकारिक तौर पर मकर संक्रांति के दिन 'शाही स्नान' के साथ शुरू होता है। माना जाता है कि इस दिन स्वर्ग के द्वार खुलते हैं और पवित्र नदियों में स्नान करने से पिछले जन्मों के पाप धुल जाते हैं। वास्तव में, यह पर्व फसल कटाई से जुड़ा हुआ है और हलधर नई फसल के लिए इस दिन भगवान सूर्य का आभार प्रकट करते हैं ।इसी पर्व से यानी कि मकर संक्रांति से ही शीत ऋतु का अंत और वसंत ऋतु की शुरुआत होती है। तमिलनाडु में इसे(मकर संक्रांति) पोंगल, पंजाब में इसे लोहड़ी, गुजरात में इसे उत्तरायण, आंध्र प्रदेश में इसे भोगी पर्व, असम में माघ बिहू तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में इसे खिचड़ी पर्व के नाम से जाना जाता है। गौरतलब है कि 'उत्तरायण' के एक आधिकारिक उत्सव के रूप में गुजरात सरकार द्वारा वर्ष 1989 से अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस पर्व की खास बात यह है कि यह भारत का एकमात्र पर्व है, जिसकी तिथि लगभग स्थिर रहती है। इतना ही नहीं, प्राचीन काल में तो इसे नववर्ष के रूप में भी मनाया जाता था ।इस पर्व पर तिल-गुड़ खाने के पीछे वैज्ञानिक कारण है। दरअसल ये हमारे शरीर में गर्मी बनाए रखते हैं और हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। वहीं पर इस दिन पतंग उड़ाने की परंपरा सूर्य की किरणों से विटामिन-डी प्राप्ति से जुड़ी है। कहते हैं कि त्रेतायुग में भगवान श्री राम ने मकर संक्रांति के दिन ही पतंग उड़ाई थी, इसलिए तब से यह परंपरा पूरे देश में प्रचलित हो गई। उपलब्ध जानकारी के अनुसार मकर संक्रांति पर पतंग उड़ाने का वर्णन रामचरित मानस के बालकांड में मिलता है। तुलसीदास जी ने इसका वर्णन करते हुए लिखा है कि 'राम इक दिन चंग उड़ाई, इंद्रलोक में पहुंची जाई।' मान्यता है कि मकर संक्रांति पर जब भगवान राम ने पतंग उड़ाई थी, जो इंद्रलोक पहुंच गई थी। इतना ही नहीं,तमिल की तन्दनानरामायण में भी भगवान राम के पतंग उड़ाने का विवरण मिलता है ।दरअसल,उस समय से लेकर आज तक पतंग उड़ाने की परंपरा चली आ रही है। इतना ही नहीं, भगवान कृष्ण के पतंग उड़ाने की परंपरा का उल्लेख भी भारतीय लोककथाओं और भजनों में मिलता है। दक्षिण भारत में तो इस दिन पशु-पक्षियों और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। जैसा कि इस आलेख में ऊपर भी चर्चा कर चुका हूं कि मकर संक्रांति को दान का महासंयोग माना गया है ।इस दिन किया गया दान कई गुना फल देता है। ज्योतिषियों का कहना है कि इस बार यानी कि इस वर्ष (वर्ष 2026 में) मकर संक्रांति के अगले दिन यानी 15 जनवरी को शुक्र-शनि मिलकर लाभ दृष्टि योग का निर्माण करने वाले हैं। मकर संक्रांति पर यह संयोग करीब 100 वर्ष के बाद बन रहा है। मकर संक्रांति केवल एक पर्व नहीं, बल्कि सूर्य से जीवन, संस्कृति से संस्कार और परंपरा से प्रगति का उत्सव है। मकर संक्रांति अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का पर्व है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह हमें अंधकार से प्रकाश, निराशा से आशा और शीत से उष्मा की ओर ले जाने वाला पर्व है। तिल-गुड़ की मिठास हमें कटुता त्यागकर सौहार्द अपनाने की सीख देती है ।यह पर्व नए आरंभ, मेहनत के सम्मान और सामाजिक एकता का प्रतीक है। मकर संक्रांति हमें याद दिलाती है कि जब दिशा सही हो, तो जीवन स्वयं उजास से भर जाता है।

सू- दोकू क्र.284

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.283 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -285

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

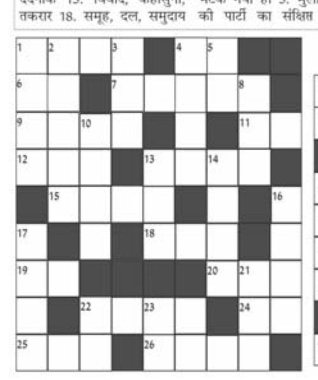

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 284 का हल

दि	क्र	त		आ	सा	न		आ
ल		मी		खि		सी	ख	ना
	म	ज	बू	र		ह		जा
स	र्द			का		त	रा	ना
र				र	वि		ह	
प	ह	ना	ना		ना	रा	ज	
ट			क	शि	श		नी	ला
	र			का		रा		य
खा	ति	र	दा	री		त	क्ष	क

राशिफल

मेष राशि अपने निजी सपनों और महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए प्रयत्न करने का अनुकूल समय है। दूसरों की जरूरतों को पूरा करने पर आपको ध्यान देना होगा" । आज सामने आने वाले अवसरों पर निगाह रखें। इससे आपकी पैसों की स्थिति में सुधार हो सकता है" । आपको अपने रिश्तों पर ध्यान देने की जरूरत है। जो लोग फर्नीचर के बिजनेस से जुड़ा है उनको अच्छा लाभ मिल सकता है।

वृषभ राशि आज आपका मन कई बातों में उलझ सकता है, लेकिन सही योजना से सब संभल जाएगा। सीखने और सवाल पूछने के लिए अच्छा दिन है। पढ़ाई में नई रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ तालमेल अच्छा रहेगा। किसी पुराने दोस्त से बात हो सकती है। सेहत के लिए आंखों और नींद का ध्यान रखें। आज अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

मिथुन राशि-आज किसी भी काम को करने में जल्दबाजी करने से बचें, वरना खामियाजा भुगतना पड सकता है। अगर आप रिलेशनशिप में हैं तो शादी के लिए अभी समय अनुचित है कुछ समय इंतजार करना बेहतर रहेगा। नकारात्मक विचार की वजह से आप अपने लक्ष्य भटक सकते हैं, इस बात का अवश्य ध्यान रखें। कभी-कभी अकेलापन जैसा भी महसूस होगा।

कर्क राशि सभी कार्य सफलतापूर्वक पूरे होंगे। व्यापार अच्छा चलेगा, लाभदायक समझौते हो सकते हैं। भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। दूर संचार माध्यम से खुशखबरी मिलने की संभावना है। किसी भी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने से बचें अन्यथा दुर्घटना होने की संभावना नजर आ रही है। वैवाहिक जीवन में तनाव बढ़ सकते हैं।

सिंह राशि कोई काम एक बार जब शुरू हो जाएगा, तो आपके संकोच भी दूर हो जाएंगे। कुछ लोग आपसे ज्यादा ही अपेक्षाएं रख सकते हैं। आज सामने आने वाले अवसरों पर निगाह रखें। किसी व्यक्ति पर हद से ज्यादा विश्वास करना आपके लिए नुकसानदायक साबित होगा। प्रेमी के साथ संबंधों और नजदीकी रिश्तों के मामलों में प्रगति होगी। इस समय किसी भी तरह की यात्रा करना पैसे और समय की बर्बादी ही देगा।

कन्या राशि -आज धैर्य और स्थिरता आपकी पहचान बनेगी। जो काम अधूरे थे, उन्हें पूरा करने का अच्छा अवसर मिलेगा। पढ़ाई में ध्यान केंद्रित रहेगा। परिवार में किसी बड़े से सीखने को मिलेगा। धन या जेब खर्च को लेकर समझदारी बरतें। दोस्तों के साथ समय बिताने से मन हल्का होगा। सेहत ठीक रहेगी, लेकिन आराम भी ज़रूरी है। आज छोटे कदम भविष्य में बड़ा लाभ दे सकते हैं।

तुला राशि विरोधियों की गतिविधियों से अनभिज्ञ ना रहे। कुछ लोग आपकी मानहानि करने की परिस्थितियां बना सकते हैं। जो कारोबारी प्रॉपर्टी खरीदने और बेचने का कार्य करते हैं, उन्हें बड़ी डील हाथ लग सकती है। विद्यार्थी वर्ग अपनी पढ़ाई को लेकर लापरवाही न करें। माता-पिता की ओर से बेहतर सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी की भावनाओं को समझेंगे। तनाव और थकान जैसी स्तिथि रहेगी।

वृश्चिक राशि आज संवेदनशीलता और कल्पनाशीलता बढ़ी रहेगी। कला, लेखन या संगीत में रुचि हो सकती है। परिवार का भावनात्मक सहयोग मिलेगा। पढ़ाई में मन लगाने के लिए शांत वातावरण ज़रूरी है। खुद को कम न आँकें। सेहत के लिए आराम करें। आज आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच से आप अच्छा दिन बिता पाएंगे।

धनु राशि खर्च की अधिकता रह सकती है। धन संबंधी मामले में अतिरिक्त सावधानी बरतें। किसी से सलाह लेकर ही पैसा निवेश करें। अपने मनमौजी बर्ताव पर काबू रखें, क्योंकि यह आपकी दोस्ती पर भारी पड़ सकता है। मन में आज अनजाना डर रहेगा। व्यवहार कुशलता से आपको अधिकारियों से सम्मान मिल सकता है। पेट की जलन तकलीफ दे सकती है। वाहन व भूमि खरीदने का सुखद संयोग भी बन सकता है।

मकर राशि आज आपके अंदर कुछ नया करने की इच्छा जागेगी। पढ़ाई या किसी प्रोजेक्ट में अलग तरीका अपनाने से अच्छे नतीजे मिल सकते हैं। दोस्तों के साथ बातचीत से नई जानकारी मिलेगी। परिवार में आपकी राय को महत्व दिया जाएगा। जल्दबाज़ी से बचें, खासकर जब कोई फैसला लेना हो। भावनाओं पर नियंत्रण रखना ज़रूरी है। सेहत सामान्य रहेगी, लेकिन समय पर भोजन करें। आज मेहनत के साथ समझदारी दिखाने से दिन आपके पक्ष में रहेगा।

कुंभ राशि आज आप भावनात्मक रूप से मज़बूत महसूस करेंगे। परिवार का सहयोग आपको आत्मविश्वास देगा। पढ़ाई या रचनात्मक काम में मन लगेगा। किसी करीबी की मदद करने से संतोष मिलेगा। बेवजह की चिंता से दूर रहें। सेहत सामान्य रहेगी, लेकिन ठंडी चीज़ों से बचें। आज अपनी भावनाओं को सही शब्दों में व्यक्त करना आपके लिए लाभकारी होगा।

मीन राशि आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। नेतृत्व से जुड़े कामों में आगे आने का मौका मिलेगा। पढ़ाई में मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। ध्यान रखें कि दूसरों की बात भी सुनें। सेहत अच्छी रहेगी। आज विनम्रता के साथ आगे बढ़ने से आपकी छवि और मजबूत होगी।

राजनीति

नकद के दम पर सत्ता: चुनावी लोकलुभावनवाद की खतरनाक दौड़

अशोक कुमार साहू

पिछले कुछ वर्षों से चुनावों के दौरान मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए राज्यों द्वारा की जा रही लोकलुभावन घोषणाओं और उनके कारण राज्यों की वित्तीय स्थिति पर पड़ रहे भारी बोझ को लेकर देश-व्यापी बहस चल रही है। इसी बहस के बीच चुनावी राज्य असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने 37 लाख महिलाओं को आठ हजार रुपये नगद देने की घोषणा कर यह साफ संकेत दे दिया है कि मतदाताओं को रिझाने का यह अब तक सफल रहा सिलसिला फिलहाल थमने वाला नहीं है।

दक्षिण भारत, विशेषकर तमिलनाडु में चुनावों के समय मुफ्त योजनाओं की परंपरा काफी पुरानी है। इसकी शुरुआत 1960 के दशक में स्कूली बच्चों को मुफ्त भोजन देने से हुई थी। बाद के वर्षों में यह दायरा बढ़ता गया और साड़ी-धोती, रंगीन टीवी, लैपटॉप और वाशिंग मशीन तक बांटी जाने लगीं। दक्षिण से शुरू हुई यह परंपरा अब उत्तर और मध्य भारत तक पहुंच चुकी है और इसका स्वरूप भी बदल गया है। वर्तमान समय में लोकलुभावन घोषणाएं सीधे नकद हस्तांतरण (Direct Cash Transfer) पर केंद्रित हो गई हैं।

उत्तर भारत में आम आदमी पार्टी (आप) ने इस मॉडल का सफल प्रयोग किया। इसके बल पर वह दिल्ली में लगातार दो बार सत्ता में आई और पंजाब में भी सरकार बनाने में सफल रही। यह भी माना जाता है कि गुजरात विधानसभा चुनाव में आप की इसी रणनीति ने कांग्रेस को भारी नुकसान पहुंचाया। इसके बाद कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में छह गारंटियों की घोषणा कर सत्ता में वापसी की। तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में भी नकद हस्तांतरण आधारित घोषणाओं ने कांग्रेस की जीत में अहम भूमिका निभाई।

कभी इस तरह की घोषणाओं की मुखर विरोधी रही भारतीय जनता पार्टी भी अब चुनावी सफलता के लिए नकद हस्तांतरण की रणनीति में सबसे आगे नजर आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सार्वजनिक मंचों से मुफ्त में "रेवड़ी बांटने" की संस्कृति के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं, लेकिन राज्यों में उनकी पार्टी और सहयोगी दल सत्ता हासिल करने या बचाए रखने के लिए इसी नीति का सहारा ले रहे हैं। स्पष्ट है कि लगभग सभी राजनीतिक दल बजट पर पड़ने वाले दबाव, शिक्षा-स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना के लिए धन की कमी की चिंता से अधिक सत्ता प्राप्ति पर जोर दे रहे हैं। नकद हस्तांतरण योजनाओं के चुनावी असर का अंदाजा मध्यप्रदेश से लगाया जा सकता है। जून 2023 में सत्ता-विरोधी लहर से जूझ रही शिवराज सिंह चौहान सरकार ने लाड़ली बहना योजना के तहत 1.29 करोड़ महिलाओं को 1250 रुपये प्रतिमाह देना शुरू किया और दिसंबर में हुए विधानसभा चुनाव में शानदार वापसी की। छत्तीसगढ़ में भाजपा ने विपक्ष में रहते हुए महतारी वंदन योजना को इस तरह प्रचारित किया कि मजबूत मानी जा रही भूपेश बघेल सरकार सत्ता से बाहर हो गई। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों में पिछड़ने के बाद भाजपा-महायुति सरकार ने लाड़ली बहिन योजना शुरू की और विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत से वापसी की।

झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार ने विधानसभा चुनाव से कुछ माह पहले मइया सम्मान योजना शुरू की और भाजपा की पूरी ताकत झोंकने के बावजूद सत्ता में बनी रही। पंजाब में आप ने एक हजार रुपये प्रतिमाह देने का वादा कर सरकार बनाई। हरियाणा में भाजपा ने 2100 रुपये प्रतिमाह देने की घोषणा कर सत्ता में वापसी की, जबकि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार गृह लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को दो हजार रुपये प्रतिमाह दे रही है।

हाल ही में संपन्न बिहार विधानसभा चुनावों में भी चुनाव से ठीक पहले करोड़ों लाभार्थियों, विशेषकर महिलाओं, के खातों में सीधे पैसे ट्रांसफर किए गए। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत लगभग 1.41 करोड़ महिलाओं को 10 हजार रुपये की सहायता डीबीटी के माध्यम से दी गई, जिसे एनडीए की जीत का प्रमुख कारण माना जा रहा है।

अब असम में विधानसभा चुनाव से चार माह पहले मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने अरुणोदय योजना के तहत 37 लाख महिलाओं को बिहू उपहार के रूप में आठ हजार रुपये देने की घोषणा कर दी है। 20 फरवरी को यह राशि एक साथ उनके खातों में ट्रांसफर की जाएगी। इस वर्ष असम के साथ-साथ केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में भी विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि सत्ता में बने रहने या सत्ता हासिल करने के लिए वहां किस तरह की नकद हस्तांतरण घोषणाएं की जाती हैं। चुनावी वर्षों में ऐसी घोषणाओं का सीधा असर राज्यों की वित्तीय सेहत पर पड़ रहा है। पिछले दो दशकों में जिन 20 राज्यों में चुनाव हुए, वहां चुनावी वर्ष में राजकोषीय घाटा राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के मुकाबले औसतन 0.5 प्रतिशत अधिक रहा। महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, बिहार, मध्यप्रदेश, ओडिशा, आंध्रप्रदेश और झारखंड में यह स्थिति और गंभीर रही है। राज्यों द्वारा कर्ज लेने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जिसमें बीते वर्ष 8 से 10 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। रिजर्व बैंक, पीआरएस और अन्य वित्तीय एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार तेलंगाना में छह गारंटियों पर 56 हजार करोड़, कर्नाटक में विभिन्न योजनाओं पर 48 हजार करोड़, महाराष्ट्र में लाड़ली बहिन योजना पर 45 हजार करोड़, उत्तर प्रदेश में मुफ्त राशन पर 20 हजार करोड़ और मध्यप्रदेश में लाड़ली बहना योजना पर करीब 19,350 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं।

बिहार में वित्त वर्ष 2024-25 में टैक्स से 54 हजार करोड़ रुपये की आय हुई, जबकि चुनावी घोषणाओं को पूरा करने में इसकी 62 प्रतिशत से अधिक राशि खर्च हो जाएगी। छत्तीसगढ़ के बजट पर भी लोकलुभावन योजनाओं का भारी दबाव है, जिससे विकास कार्यों के लिए उपलब्ध राशि लगातार घटती जा रही है ।राज्य का चालू वित्त वर्ष का बजट एक लाख 65 हजार करोड़ का है.जिसमें 53 हजार करोड़ रूपए मुफ्त एवं रियायत पर तथा 55 हजार करोड़ रूपए वेतन पेंशन पर खर्च हो रही है ।इसके साथ ही बड़ी राशि कर्जो की अदायगी और ब्याज चुकाने में जा रही है ।इसका सीधा असर विकास कार्यो पर पड़ रहा है ।विकास कार्यों के लिए राशि लगातार कम होती जा रही है ।पिछले दो दशक में राज्य में जिस तेजी से विकास कार्य हुए उन पर लगभग लगाम लगती जा रही है ।राज्य के वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी स्वीकारते है कि मुफ्त एवं रियायत पर खर्च हो रही राशि का दबाव रहता है लेकिन उन्होने यह भी कहा कि लोकतंत्र में सरकार को जनता की तकलीफ दूर करने के लिए वेलफेयर का काम करना पड़ता है।

सीधे नकद हस्तांतरण और मुफ्त योजनाओं पर बहस वर्षों से जारी है, लेकिन राजनीतिक दलों के बीच आम सहमति बनती नहीं दिख रही। उलटे यह प्रवृत्ति और मजबूत होती जा रही है। चुनाव जीतने का यह एक आजमाया हुआ फार्मूला बन चुका है। संसद की लोक लेखा समिति के सौ वर्ष पूरा होने पर 2021 में तत्कालीन उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने विकास की बजाय मुफ्त में दान देने वाली घोषणाओं पर व्यापक बहस की आवश्यकता जताई थी ।उच्चतम न्यायालय ने भी चुनाव आयोग से कहा था कि वह राजनीतिक दलों की ओर से की जाने वाली घोषणाओं के मामले में दिशा निर्देश जारी करें,लेकिन आज तक इस दिशा में कुछ ठोस नही हो पाया।

भारतीय रिजर्व बैंक ने भी एक बार फिर 2025 के अंत में राज्यों को चुनाव-पूर्व अत्यधिक खर्च और वित्तीय घाटे के प्रति सचेत किया है। विशेषज्ञों का मानना हैं कि अगर लोक लुभावन घोषणाएं कर चुनाव जीतने की प्रवृत्ति पर लगाम नही लगी तो फिर विकास की दीर्घकालीन योजनाओं के लिए कोई स्थान नही बचेगा।

एक नजर

जिले में अब तक 3 लाख 46 हजार मीट्रिक टन से अधिक धान की हुई खरीदी

कांकेर,13 जनवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्रदेश सरकार द्वारा खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में जिले के सभी 149 उपार्जन केंद्रों तथा 70 सहकारी समितियों में किसानों से धान खरीदा जा रहा है। खाद्य शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में अब तक कुल 03 लाख 46 हजार 274 मेट्रिक टन धान किसानों से खरीदा जा चुका है। इसमें 03 लाख 44 हजार 051 मेट्रिक टन मोटा धान तथा 2 हजार 091 मेट्रिक टन पतला और 131 मेट्रिक टन सरना वैरायटी का धान शामिल है। उल्लेखनीय है कि कांकेर जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए केन्द्र प्रभारी तथा पर्यवेक्षण व निगरानी के लिए नोडल अधिकारियों की तैनाती की गई है। साथ ही कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार धान के परिवहन, भण्डारण तथा विक्रय की अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए 13 चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा धान की अवैध गतिविधियों के विरूद्ध कार्रवाई करने हेतु गठित टीमों के द्वारा सतत् निगरानी की जा रही है।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने जिला स्तरीय राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया

कांकेर,13 जनवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिला स्तरीय राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर आज भाषण प्रतियोगिता, काव्य पाठ प्रतियोगिता तथा रंगोली का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन में प्रतियोगिता के साथ-साथ वृक्षारोपण एक पेड़ मां के नाम, आत्मनिर्भर भारत, नशामुक्त भारत शपथ एवं श्री विवेकानंद के विचारों एवं योगदान पर चर्चा किया गया। जिला खेल अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला स्तरीय युवा दिवस का आयोजन बैडमिंटन क्लब माहुरबंदपारा कांकेर में आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 200 प्रतिभागी शामिल हुए। जिला स्तरीय युवा दिवस के आयोजन 03 विधाओं का किया गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नमन नाग, द्वितीय कु. काजल सेन एवं एकलव्य देव साहू तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम एकलव्य देव साहू, द्वितीय आदित्य उइके एवं तृतीय आशीष मारकोले तथा रंगोली में प्रथम वंदना मण्डावी-पारकल कोसमा, द्वितीय वासनी जैन युक्ता नरेटी एवं तृतीय झरना यादव एवं तमन्ना साहू विजेता रहे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण सहित खेल विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मतदाताओं के लिए दस्तावेज अपलोड की ऑनलाइन सुविधा शुरू

दंतेवाड़ा, 13 जनवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत मतदाता सूची के अद्यतन की प्रक्रिया को और अधिक सरल एवं पारदर्शी बनाया गया है। इसके अंतर्गत अब जिन मतदाताओं को नोटिस जारी किया गया है, वे अपने आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन माध्यम से अपलोड कर सकते हैं। जिले के मतदाता वोटर्स सर्विस पोर्टल पर जाकर विशेष गहन पुनरीक्षण, 2026 से संबंधित सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। पोर्टल के माध्यम से मतदाता पिछले एसआईआर में अपना नाम खोज सकते हैं तथा नोटिस के विरुद्ध आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। साथ ही ई-साइन के माध्यम से दस्तावेजों का त्वरित सत्यापन भी किया जा सकेगा। इस नई व्यवस्था से मतदाताओं को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और वे घर बैठे ही पूरी प्रक्रिया पूर्ण कर सकेंगे। इससे समय की बचत के साथ-साथ प्रक्रिया अधिक सरल, पारदर्शी और सुगम बनी है। जिला प्रशासन एवं निर्वाचन कार्यालय ने दंतेवाड़ा जिले के सभी पात्र मतदाताओं से अपील की है कि वे इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और मतदाता सूची को सही व अद्यतन बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

परिवहन कार्यालय निर्धारित शुल्क के अलावा कोई अतिरिक्त राशि नही ली जाती सभी सेवाएँ अब ऑनलाइन उपलब्ध

दंतेवाड़ा, 13 जनवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला परिवहन कार्यालय द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार वाहन स्वामित्व अंतरण, नवीनीकरण या किसी भी प्रकार की परिवहन सेवा के लिए शासन द्वारा निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त कोई भी अतिरिक्त राशि नहीं ली जाती है, और न ही कार्यालय द्वारा किसी प्रकार की रेट लिस्ट जारी की गई है। परिवहन विभाग की डिजिटल प्रणाली वाहन 4.0 के माध्यम से अब नागरिकों को स्वामित्व अंतरण, पता परिवर्तन, मोबाइल नंबर अपडेट, अन्य राज्य हेतु एनओसी जारी करने, स्पेशल अनुज्ञापत्र तथा भारी मालवाहक अनुज्ञापत्र जैसी सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं। आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से आवेदन करने पर इन सेवाओं का ऑटो-अप्रूवल मिल जाता है, जिससे कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं रहती। विभाग ने यह भी बताया कि वाहनों का फाइनेंस निरस्तीकरण अब संबंधित वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वतः किया जाता है।

कलेक्टर ने ली राहत-पुनर्वास और सड़क सुरक्षा की समीक्षा बैठक

दंतेवाड़ा, 13 जनवरी। जिला कार्यालय में आज कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव की अध्यक्षता में प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक आयोजित की गई। इस मैराथन बैठक में जिला स्तरीय राहत एवं पुनर्वास, नए कानूनों के क्रियान्वयन, सड़क सुरक्षा और एनसीओआरडी (नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर) जैसे संवेदनशील विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक का आरंभ राहत एवं पुनर्वास से जुड़े मामलों की समीक्षा के साथ हुआ। कलेक्टर श्री ध्रुव ने संवेदनशीलता दिखाते हुए नक्सल हिंसा में जान गंवाने वाले नागरिकों के आश्रितों को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने और घायलों को हर संभव मदद देने पर जोर दिया। उन्होंने नक्सल पीड़ित परिवारों के सदस्यों को शासकीय सेवा में अनुकंपा नियुक्ति देने की प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति जांची और अधिकारियों को इसे प्राथमिकता देने को कहा। इसके अतिरिक्त, साम्प्रदायिक सद्भाव प्रतिष्ठान के तहत छात्रवृत्ति, आत्मसमर्पित नक्सलियों को प्रशिक्षण के दौरान स्टायपेण्ड और पीड़ित परिवारों के डिजिटल डेटाबेस को अपडेट करने की प्रगति पर भी चर्चा की गई।

कानून व्यवस्था के आधुनिकीकरण और नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी बैठक में विशेष फोकस रहा। अधिकारियों ने ई-साक्ष्य संकलन, ऑनलाइन शिकायत प्रणाली, एसएमएस के जरिए समन भेजने और 60 से 90 दिनों के भीतर विवेचना पूरी कर चालान पेश करने की अनिवार्यता पर प्रस्तुतिकरण दिया। कलेक्टर ने एनआईए प्रकरणों में समय सीमा के भीतर अभियोजन स्वीकृति और 'न्याय श्रुति योजना' के तहत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्षों की स्थापना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, मेडलीएपीआर ऐप पर एमएलआर और पीएमआर की शत-प्रतिशत ऑनलाइन रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने की बात कही गई।

सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने जिले में दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए कड़े तेवर दिखाए। उन्होंने एनएचएआई और पीडब्ल्यूडी को सभी सड़कों का 'सेफ्टी ऑडिट' जल्द पूरा करने और ब्लैक स्पॉट्स को सुधारने के निर्देश दिए। बैठक में शहर के मुख्य मार्गों पर आवारा पशुओं के नियंत्रण, अतिक्रमण हटाने, और पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित फुटपाथ बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई। स्वास्थ्य विभाग को ट्रॉमा सेंटर की स्थापना और एंबुलेंस में जीपीएस ट्रैकिंग सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि दुर्घटना पीड़ितों को कैशलेस और त्वरित उपचार मिल सके। वहीं, शिक्षा विभाग को नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने पर रोक लगाने और स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक के अंतिम चरण में नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए एनसीओआरडी की समीक्षा की गई। इसमें नशामुक्ति, पुनर्वास और तस्करी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की कार्ययोजना पर विचार हुआ। पुलिस और परिवहन विभाग ने भी अपनी कार्रवाई और जागरूकता अभियानों का ब्यौरा पेश किया। इस महत्वपूर्ण बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय, अपर कलेक्टर श्री राजेश पात्रे और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आर.के. बर्मन सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

कतियाररास में मिडिल स्कूल के पीछे एवं भैरवबाबा मंदिर के आसपास

अतिक्रमणकारियों को नोटिस भेजने की तैयारी

- मौके पर पहुंचा फॉरेस्ट एवं राजस्व अमला.
- अवैध झुग्गी बनाने वालों को राजस्व विभाग ने किया चिन्हित.
- अवैध तरीके से बनाए गए मकान एवं भूमि घेराबंदी पर कार्रवाई के दिए संकेत.

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 13 जनवरी। नगर पालिका क्षेत्र दंतेवाड़ा के वार्ड क्रमांक 3 कातियाररास के पटवारी हल्का नंबर 14 में बड़े पैमाने पर बड़े झाड़ के जंगल/सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण हो रहा है। राजस्व अमला एवं नगर पालिका की अकर्मण्यता एवं जनप्रतिनिधियों की सुस्त कार्यप्रणाली के चलते भू माफिया दिन दहाड़े जमीनों पर कब्जा कर मकान तान दे रहे हैं और कोई कुछ नहीं कर पा रहा। इसी क्षेत्र में भैरवबाबा मंदिर के आसपास खाली जमीन पर भी अतिक्रमण कर करीब 8 से 10 मकान बनाए गए है। मिडिल स्कूल के पीछे स्थित राजस्व की जंगल भूमि पर भी करीब 7 कच्ची मकाने बनाई गई है । भूमाफिया बेखौफ जंगल को काट काटकर जमीन समतल कर वहीं की मिट्टी से ईंट तैयार कर चोरी छिपे घर खड़े कर दे रहे हैं और किसी को भनक तक नहीं लग रहा। पीछे संकीनी नदी बहती है। नदी क्षेत्र के आसपास भी बड़े पैमाने पर अतिक्रमण चल रहा है। कई वर्गफिट जंगल को साफ कर वहां बांस की बाड़ी एवं नुकीले तार फेंसिंग से घेरा बंदी भी की गई है। बाढ़ बारिश में जब इनकी मकाने डूबती है तो बाद में यही लोग छाती पीटपीटकर मुआवजा मांगने सामने आ खड़े हो जाते हैं। नियामतः डुबान क्षेत्र के आसपास किसी भी प्रकार का निर्माण नहीं किया जा सकता। समय रहते प्रशासन अतिक्रमण रोकने पर कोई पहल नहीं करता है बाद में यही अतिक्रमणकारी गले की फांस बन जाते हैं। राजस्व अमला व नगर पालिका के लोगों की यह जिम्मेदारी है कि समय रहते अतिक्रमण पर रोक लगाएं । बीते रविवार को अतिक्रमण होने की शिकायत मिलने पर हल्का पटवारी एवं फॉरेस्ट विभाग के डिप्टी रेंजर मौके पर पहुंचे तो देखा कि उस इलाके में अवैध अतिक्रमण कर कई घर हाल फिलहाल में बनाए गए हैं। कुछ घर निर्माणाधीन भी दिखाई पड़े। मौके पर इलाके के हल्का पटवारी एल एस तारम एवं वन विभाग के अधिकारियों ने मौका मुआयना कर अतिक्रमण वाली जगह को चिन्हित किया और मौके पर मौजूद अतिक्रमणकारियों को फौरन जगह खाली करने को कहा। इस मौके पर वार्ड पार्षद जय सिंह भी मौजूद थे। पार्षद ने कहां की उन्होंने बार बार कब्जा कर मकान बनाने से लोगों को मना किया था बावजूद लोग नहीं माने और जंगल को काटकर घर बना लिया।। पटवारी ने बताया कि अवैध अतिक्रमण को हटाया जाएगा। तहसीलदार को स्थिति से अवगत करवा दिया गया है। इधर पालिका सीएमओ को भी मामले से अवगत कराया गया है। जिम्मेदार अधिकारियों ने हर हाल में नजूल भूमि पर अतिक्रमण रोकने की बात कही है।

> नगर के कतियाररास क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण होने के संबंध में हल्का पटवारी द्वारा एक प्रतिवेदन आया है। जिसके आधार पर हम नोटिस जारी कर जमीन खाली करने का समय देंगे। निर्धारित समय में अगर भूमि रिक्त नहीं की गई तो भू राजस्व संहिता के तहत जो भी संवैधानिक करवाई होगी उस पर अमल किया जाएगा।
>
> (पी.एन. बंजारे)
> तहसीलदार दंतेवाड़ा

युवा दिवस पर स्वदेशी संकल्प दौड़ का आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

किरंदुल 13 जनवरी। डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, किरंदुल में 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय द्वारा स्वदेशी संकल्प दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री एस. के. श्रीवास्तव ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों–आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण, राष्ट्रसेवा तथा युवाओं की भूमिका–पर विस्तार से प्रकाश डाला। विद्यालय के एन एस एस प्रभारी श्री के पी सिन्हा द्वारा विद्यार्थियों से स्वदेशी अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करता है तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती रूपा सक्सेना ने स्वदेशी प्रतिज्ञा दिलायी।

स्वदेशी दौड़ के दौरान विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। दौड़ शहर क्षेत्रों से होते हुए विद्यालय परिसर में सम्पन्न हुआ।जहाँ विद्यार्थियों ने देशभक्ति नारों एवं प्रेरक संदेशों के माध्यम से जन-जागरूकता फैलायी। आयोजन में शिक्षकों का मार्गदर्शन सराहनीय रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक, शिक्षकाओं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों का सक्रिय योग दान रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन

अब न्याय पहुंचेगा आपके गाँव तक, सीएससी टेली-लॉ योजना से घर बैठे मिलेगी कानूनी सलाह

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 13 जनवरी। भारत सरकार के कानून एवं न्याय मंत्रालय की डिजिटल इंडिया पहल के अंतर्गत संचालित सीएससी टेली-लॉ योजना अब ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों के लिए न्याय तक पहुँच को सरल और सुगम बना रही है। इस योजना के माध्यम से बस्तर, दंतेवाड़ा और बीजापुर जिलों के नागरिकों को कानूनी सलाह प्राप्त करने हेतु अब शहरों या जिला मुख्यालयों तक जाने की आवश्यकता नहीं होगी। टेली-लॉ सेवा के जरिए नागरिक अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) में जाकर वीडियो कॉल अथवा फोन कॉल के माध्यम से अनुभवी वकीलों से सीधे परामर्श प्राप्त कर सकते हैं। खास बात यह है कि पात्र श्रेणियों के नागरिकों को यह कानूनी सहायता पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। यह सेवा घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद, भूमि एवं संपत्ति के मामले, एफआईआर से संबंधित जानकारी, पुलिस कार्यवाही, महिलाओं तथा एससी,एसटी वर्गों के अधिकार, भरण-पोषण तथा अन्य सामाजिक मामलों में आवश्यक कानूनी मार्गदर्शन प्रदान कर रही है। ग्रामीण अंचलों में इसकी उपयोगिता लगातार बढ़ रही है।

योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में सीएससी वीएलई की महत्वपूर्ण भूमिका है। वे नागरिकों का पंजीकरण कर उन्हें विशेषज्ञ वकीलों से ऑनलाइन परामर्श दिलवाने की पूरी प्रक्रिया सुनिश्चित करते हैं। इसी के साथ, वीएलई केंद्रों पर आने वाले लोगों को आवश्यक जानकारी और सहयोग भी प्रदान किया जाता है। सीएससी मैनेजर श्री प्रदीप कुमार ने बताया कि टेली-लॉ योजना न्याय तक समान पहुँच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह योजना ग्रामीणों को सरल, सुरक्षित और भरोसेमंद कानूनी सहायता उपलब्ध करा रही है। उन्होंने सभी वीएलई से अपील की कि अधिक से अधिक नागरिकों को इस सेवा से जोड़ा जाए, ताकि न्याय हर नागरिक का अधिकार की भावना पूरी तरह साकार हो सके। एक कॉल, एक समाधान के संदेश के साथ टेली-लॉ योजना तेजी से ग्रामीण न्याय व्यवस्था में परिवर्तन ला रही है। नागरिक अपने निकटतम सीएससी केंद्र में जाकर इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

विकास के भारीपहियों तले कुचलता गौ-वंश और प्रशासन की जानलेवा चुप्पी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 13 जनवरी। जिले की सड़कें इन दिनों विकास की नहीं, बल्कि विनाश की गवाह बन रही हैं। लौह अयस्क से लदे सैकड़ों ट्रक जब फर्राटा भरते हुए सड़कों से गुजरते हैं, तो उनके पीछे सिर्फ धूल के गुबार नहीं, बल्कि बेजुबान गौ-वंश की चीखें और खून के धब्बे छूट जाते हैं। करोड़ों की रॉयल्टी उगलने वाली इस धरती पर आज गौ-माता की स्थिति इतनी दयनीय है कि वे दुर्घटना के बाद तड़प-तड़प कर दम तोड़ने को मजबूर हैं।

गौ-पालक संघ के अध्यक्ष और वरिष्ठ पत्रकार दिनेश शर्मा ने प्रशासन के चेहरे से उस नकाब को उतार फेंका है, जिसके पीछे पशु कल्याण के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं। यह बेहद शर्मनाक है कि करोड़ों का राजस्व देने वाले जिले में एक 'एनिमल एंबुलेंस' और 'हाइड्रोलिक लिफ्ट' तक की व्यवस्था नहीं है। दुर्घटना के बाद घायल पशु सड़क किनारे पड़े रहते हैं, लेकिन पशु विभाग मूकदर्शक बना बैठा है।

पशु चिकित्सालयों की हालत तो और भी बदतर है। दिनेश शर्मा जी ने सही सवाल उठाया है कि आखिर पशु विभाग को मिलने वाला लाखों का बजट जाता कहाँ है? जब अस्पतालों में घाव धोने के लिए फिनायल तक उपलब्ध नहीं है, तो क्या प्रशासन यह उम्मीद करता है कि बेजुबान सिर्फ रुई-पट्टी और ग्लूकोज के भरोसे जीवित रहेंगे? जीवन रक्षक दवाओं का टोटा और कागजों पर दौड़ती योजनाएं यह बताने के लिए काफी हैं कि विभाग में भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं। क्या प्रशासन सिर्फलोहा ढोने और रॉयल्टी गिनने के लिए है? क्या उन ट्रकों की पहचान करना इतना मुश्किल है जो मासूम पशुओं को कुचलकर भाग जाते हैं? जब शासन की मंशा गौ-वंश के संरक्षण की है, तो स्थानीय प्रशासन इस मानवीय धारणा का गला क्यों घोंट रहा है? दिनेश शर्मा और गौ-पालक संघ ने अब आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। चक्का जाम और वरिष्ठ नेताओं के घेराव की चेतावनी प्रशासन के लिए आखिरी 'अलार्म' है। अगर जल्द ही घायल पशुओं के लिए व्यवस्थित शेड, एनिमल एंबुलेंस और अस्पतालों में दवाओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई, तो सड़कों पर उतरने वाला यह आक्रोश प्रशासन की कुर्सी हिलाने के लिए पर्याप्त होगा।

लोहा की ढुलाई से तिजोरियां भरना ठीक है, लेकिन बेजुबानों की लाशों पर खड़े होकर होने वाला विकास विकास नहीं, बल्कि कलंक है। कलेक्टर और संबंधित विभाग जागें, इससे पहले कि दंतेवाड़ा की सड़कों पर बहता यह लहू एक बड़े जन-आंदोलन की शक्ल ले ले।

खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करें : रमन सिंह

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 12 जनवरी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा संचालित एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 69वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ आज दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने ध्वजारोहण कर सलामी दी। इसके पश्चात खिलाड़ियों द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट किया गया। खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए शपथ दिलाई गई। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आसमान में गुब्बारे छोड़कर 69वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ की घोषणा की। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने 69वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में शामिल होने वाले विभिन्न राज्यों एवं विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के बास्केटबॉल खिलाड़ियों का संस्कारधानी नगरी राजनांदगांव में स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि प्रतियोगिता में 1006 प्रतिभागी शामिल हो रहे है। जिनमें 429 बालक एवं 402 बालिका खिलाड़ी है। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए संस्कारधानी नगरी राजनांदगांव पहुंचे है।

कुआकोंडा विकासखंड में जिला सीईओ ने किया निरीक्षण, विकास कार्यों की प्रगति पर दिया जोर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 13 जनवरी। कुआकोंडा विकासखंड के विभिन्न क्षेत्रों में आज जिला पंचायत सीईओ ने विकास एवं आजीविका से जुड़ी योजनाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। गाँव में स्थापित वायु से जल निर्माण वाटर स्ट्रक्चर की सफाई, फेंसिंग, दिशा-निर्देश और संचालन व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। सीईओ ने रेडी-टू-ईट यूनिट और आजीविका सेवा केंद्र का निरीक्षण कर स्व-सहायता समूहों से संवाद किया तथा उनकी गतिविधियों व गुणवत्ता को परखा। ग्रामीणों और किसानों से मिलकर उन्होंने शासकीय योजनाओं के लाभ, समस्याएं और आवश्यकताओं के संबंध में चर्चा की। अंत में नकुलनार स्थित रीपा पहुँचकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं की प्रगति जानी और अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

'बस्तर पंडुम 2026' की तैयारियाँ पूरे प्रदेश में जोर-शोर से चल रही

जिले के जनपद पंचायत स्तर पर होगा 16 एवं 17 जनवरी को बस्तर पंडुम

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 13 जनवरी। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा बस्तर की समृद्ध जनजातीय लोक-संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से आयोजित 'बस्तर पंडुम 2026' की तैयारियाँ पूरे प्रदेश में जोर-शोर से चल रही हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशन में संस्कृति विभाग इस महोत्सव को जनपद, जिला और संभागकृतीन स्तरों पर भव्य रूप से आयोजित कर रहा है। यह आयोजन 10 जनवरी से आरंभ होकर 06 फरवरी 2026 तक चलेगा और इस दौरान बस्तर की कला, शिल्प, नृत्य, संगीत, व्यंजन, बोली-भाषा, वेशभूषा, आभूषण, वाद्य-यंत्र और जनजातीय जीवन शैली का अद्भुत प्रदर्शन पूरे प्रदेश में देखने को मिलेगा।

राज्य शासन ने बस्तर संभाग के सातों जिलों बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, कांकेर, कोंडागांव और नारायणपुरकृको इस महोत्सव में अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। बस्तर संभाग की 1885 ग्राम पंचायतों और 32 जनपद मुख्यालयों में 12 विधाओं पर आधारित प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी। ग्राम स्तर पर चयनित कलाकारों और कला दलों को जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा, जहाँ प्रत्येक विधा से एक विजेता दल को 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके लिए प्रत्येक जनपद पंचायत को 5 लाख रुपये का बजट स्वीकृत है।

इसी क्रम में दंतेवाड़ा जिले में जनपद स्तरीय 'बस्तर पंडुम' के आयोजन की तिथि निर्धारित कर दी गई है। यह महोत्सव 16 और 17 जनवरी को जिले के विभिन्न जनपद स्तरीय मैदानों में आयोजित होगा। प्रशासन द्वारा तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं और संबंधित विभागों को उनके दायित्व सौंप दिए गए हैं, ताकि दो दिवसीय कार्यक्रम में कलाकारों और दर्शकों को सर्वोत्तम व्यवस्था मिल सके। दंतेवाड़ा के ग्रामीण अंचलों से आने वाले लोक कलाकार अपनी पारंपरिक धुनों, नृत्यों, वाद्य-यंत्रों और वेशभूषा के माध्यम से बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करेंगे। जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं के बाद दूसरा चरण जिला स्तर पर 24 से 29 जनवरी तक आयोजित होगा, जहाँ विजेता दलों को 20 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलेगी। अंतिम और सबसे भव्य चरण संभाग स्तर पर 2 से 6 फरवरी 2026 तक जगदलपुर में होगा, जहाँ सातों जिलों से चयनित 84 दल अपनी श्रेष्ठ कला प्रस्तुत करेंगे। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार क्रमशः 50 हजार, 30 हजार और 20 हजार रुपये के होंगे, जबकि अन्य प्रतिभागी दलों को 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इस पूरे महोत्सव की विशेषता यह है कि इसमें केवल बस्तर संभाग के वास्तविक मूल निवासी कलाकार ही भाग ले सकेंगे, ताकि बस्तर अंचल की मौलिक कला और संस्कृति अपनी असल पहचान के साथ उभरकर सामने आए। वरिष्ठ कलाकारों के साथ-साथ नए कलाकारों को भी बड़े मंच पर प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। सभी स्तरों पर विजेताओं को पुरस्कार राशि, प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। समाज प्रमुखों, वरिष्ठ नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और संस्कृति प्रेमियों को आयोजन में शामिल किया जाएगा, ताकि यह महोत्सव एक जनउत्सव का रूप ले सके। महोत्सव के प्रचार-प्रसार के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक अभियान चलाया जाएगा, जिससे बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर जन-जन तक पहुँच सके। दंतेवाड़ा जिले में जनपद पंचायत स्तर पर 16,17 जनवरी का बस्तर पंडुम की शुरुआत होगी। जहाँ परंपरा, कला और उमंग का अनूठा संगम पूरे क्षेत्र को उत्सवमय कर देगा।

जनसुनवाई मामले में अधिकारियों पर एफआईआर की मांग, अतिरिक्त बल तैनात

रैली निकालकर ग्रामीणों ने किया तमनार थाना का घेराव

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़,13 जनवरी। जिले के तमनार में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने रैली निकालकर तमनार थाना पहुंचकर अपनी मांगें रखी। उन्होंने कहा कि पहले हुई जनसुनवाई में जुड़े अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए और मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषी लोगों के खिलाफ जल्द कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने इस मामले में सख्त कदम उठाने की मांग की।

तमनार ब्लॉक के टांगरघाट, आमगांव, तिलाईपाली, खुरूसलेंगा, लिबरा, झरना समेत अन्य गांवों के ग्रामीण तमनार थाना पहुंचे। उनका कहना था कि पुलिस ने आंदोलन करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी, लेकिन अवैध तरीके से जनसुनवाई कराने वाले अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

ग्रामीणों ने मांग की कि थाना प्रभारी, अनुविभागीय अधिकारी, जिंदल प्रबंधन, राजस्वकर्मी और सीएचपी चौक में तैनात सभी पुलिसकर्मियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया जाए। उनका आरोप था कि 8 दिसंबर को हुई जनसुनवाई पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और नियमों का उल्लंघन थी। ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें अपनी बात रखने से रोका गया, विरोध करने वालों को बाहर निकाल दिया गया और पुलिस के सहारे ही जनसुनवाई कराई गई। इसके बाद ग्रामीणों ने शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन किया, लेकिन फिर भी पुलिस ने उन पर एफआईआर दर्ज कर दी।

तमनार थाना के बाहर बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हुए। वे नारेबाजी कर अधिकारियों के खिलाफ स्नद्धक्र दर्ज करने की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों का आरोप था कि अवैध तरीके से की गई जनसुनवाई के कारण हालात बिगड़े, लेकिन कार्रवाई केवल आंदोलनकारियों पर हुई, जबकि जनसुनवाई कराने वाले अधिकारियों के खिलाफ अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया।

ज्ञापन सौंपकर अपराध दर्ज करने की मांग की

मामले में थाना प्रभारी के नाम एक ज्ञापन सौंपकर उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषी व्यक्तियों के खिलाफ अपराध दर्ज करने की मांग की गई और ज्ञापन की प्रतिलिपि राज्यपाल, पीएमओ कार्यालय, मुख्यमंत्री, गृहमंत्री, छत्तीसगढ़ मानव अधिकार आयोग रायपुर भेजा गया है। वहीं स्थिति को देखते हुए पुलिस का अतिरिक्त बल तैनात किया गया था।

समाचार संक्षेप

अवैध धान परिवहन एवं भंडारण मामले में 217 कट्टा धान एवं पिकअप वाहन जब्त

महासमुंद 13 जनवरी । कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार जिले में अवैध धान परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में बीती रात विभिन्न स्थानों पर संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए कुल 217 कट्टा धान एवं पिकअप वाहन जप्त किया गया।बसना विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम कुरचुंडी में अवैध रूप से धान का परिवहन करते हुए 80 पैकेट धान जब्त किए गए। धान का परिवहन बिना वैध दस्तावेजों के किया जा रहा था, जिस पर नियमानुसार कार्रवाई की गई। इसी प्रकार पिथौरा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम भुरकोनी में संजय अग्रवाल के गोदाम में छापेमार कार्रवाई के दौरान 137 बोरी धान अवैध रूप से संग्रहित पाया गया। जब्त किए गए धान को आगे की कार्रवाई हेतु मंडी अधिनियम के तहत मंडी सचिव को सुपुर्द किया गया है। साथ ही बागबाहरा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम शिकारिपाली, तेंदूकोना क्षेत्र में अवैध धान से भरी एक पिकअप वाहन को जप्त किया गया। वाहन में भरा धान अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा था। वाहन को जब्त कर संबंधित प्रकरण दर्ज किया गया है। जिला प्रशासन ने निर्देशित किया है कि जिले में अवैध धान खरीदी, भंडारण एवं परिवहन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सतत निगरानी रखने एवं कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय सीमा की बैठक

महासमुंद 13 जनवरी । कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने आज सुबह 10 बजे से समय-सीमा बैठक लेकर शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में धान खरीदी की प्रगति पर विशेष जोर दिया गया, साथ ही अवैध धान परिवहन पर नियंत्रण के लिए सतत निगरानी के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर श्री सचिन भूतड़ा, श्री रवि कुमार साहू, विभागीय जिलाधिकारी, जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ तथा वीसी के माध्यम से ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री लंगेह ने धान खरीदी की समीक्षा करते हुए शासन के मंशानुरूप धान खरीदी के कार्यां को पारदर्शिता के साथ सुचारू रूप से जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। अंतर्जिला क्षेत्रों, विशेषकर ओडिशा बॉर्डर पर सतर्कता बढ़ाने पर जोर दिया गया। उन्होंने कैमरा चेक, रकबा समर्पण, नापतौल, टोकन व्यवस्था आदि की गहन जांच सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि धान खरीदी के लिए13 दिन शेष है, सीमांत किसानों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि यदि किसी समिति या विभागीय कर्मचारी-अधिकारी की अवैध धान से संलिप्तता पाई गई, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

धमतरी के आदिवासी अंचल में 50 वर्ष बाद रबी सीजन में खेती की नई शुरुआत

धमतरी, 13 जनवरी । कृषि विभाग द्वारा संचालित कृषि सुधार एवं विस्तार कार्यक्रम आत्मा योजनांतर्गत विकासखंड धमतरी के ग्राम डांगीमांचा एवं खिड़कीटोला में कृषकों द्वारा लगभग 35 एकड़ रकबा में लघु धान्य फसल रागी (मिलेट) की खेती की जा रही है। गंगरेल बांध के उच्चहन क्षेत्र में स्थित यह वनाच्छादित एवं आदिवासी बहुल क्षेत्र अधिक ऊंचाई पर होने के कारण विशेष भौगोलिक परिस्थितियों वाला है, जहां लगभग 50 वर्षों के पश्चात रबी सीजन में पहली बार संगठित रूप से खेती प्रारंभ की गई है।कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने बताया कि ÷जिले के वनांचल एवं आदिवासी बहुल क्षेत्रों में लघु धान्य फसलों को बढ़ावा देना शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। गंगरेल उच्चहन क्षेत्र में लगभग 50 वर्षों बाद रबी सीजन में रागी की खेती की शुरुआत एक ऐतिहासिक पहल है। आत्मा योजना के माध्यम से कृषकों को आधुनिक तकनीक, स्स्द्ध पद्धति एवं बीज उत्पादन की जानकारी देकर उनकी आय बढ़ाने के साथ-साथ पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। भविष्य में मिलेट आधारित खेती को और अधिक विस्तार देते हुए किसानों को बाजार से जोड़ने हेतु आवश्यक सभी सहयोग प्रदान किया जाएगा।

एक नजर

विभिन्न कोर्सों में निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए आवेदन 19 जनवरी तक आमंत्रित

धमतरी, 13 जनवरी । मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत लाईवलीहुड कॉलेज धमतरी में विभिन्न पाठ्यक्रमों में निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के इच्छुक 18 से 45 वर्ष तक की आयु के आवेदकों से आगामी 19 जनवरी तक आवेदन आमंत्रित किया गया है।

सहायक परियोजना अधिकारी लाईवलीहुड कॉलेज ने बताया कि सुरक्षा गार्ड प्रशिक्षण के लिए कम से कम आठवीं पास, असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन के लिए दसवीं और फील्ड टेक्नीशियन (एयर कंडीशनर) के प्रशिक्षण के लिए बारहवीं पास होना अनिवार्य है। आवेदक अपने साथ न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, राशनकार्ड और पासपोर्ट साईज फोटो आदि दस्तावेज लेकर सिविल कोर्ट के पास स्थित लाईवलीहुड कॉलेज में उपस्थित होकर आवेदन जमा कर सकते हैं।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पथर्रीडीह में प्रवेश हेतु प्राक्रयन परीक्षा 1 मार्च को

धमतरी, 13 जनवरी । शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रदेश के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में कक्षा 06 वीं में प्रवेश हेतु प्राक्कयन परीक्षा आयोजित की जाएगी। यह प्रवेश परीक्षा 01 मार्च 2026 (रविवार) को प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक (02 घंटे) आयोजित होगी। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि धमतरी जिले में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, पथर्रीडीह में उपलब्ध रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए कक्षा 05 वीं में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राएं पात्र होंगे। इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन एकलव्य विद्यालयों की आधिकारिक वेबसाइट www.eklavya.cg.nic.in के माध्यम से कर सकते हैं। समस्त शासकीय, अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त हाईस्कूल/उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देशित किया गया है कि वे कक्षा 06 वीं में प्रवेश हेतु आयोजित प्राक्कयन परीक्षा 2026-27 की जानकारी इच्छुक छात्र-छात्राओं तक पहुंचाएं तथा अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थियों का ऑनलाइन पंजीयन सुनिश्चित कराने हेतु उन्हें प्रोत्साहित करें। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी एकलव्य विद्यालयों की वेबसाइट अथवा प्राचार्य, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पथर्रीडीह, नगरी से संपर्क कर सकते हैं।

सेना भर्ती के लिए युवाओं में भारी उत्साह, 587 में से 398 अभ्यर्थियों ने दौड़ की परीक्षा उत्तीर्ण की

धमतरी, 13 जनवरी । जिला धमतरी में आयोजित प्रदेश स्तरीय अग्निवीर सेना भर्ती रैली के दौरान युवाओं में देश सेवा को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। भर्ती रैली के तीसरे दिन बालोद जिले के कुल 587 युवाओं ने भाग लिया, जिनमें से 398 अभ्यर्थियों ने दौड़ की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की।भर्ती प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों ने उत्कृष्ट शारीरिक क्षमता, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। दौड़ में सफल रहे उम्मीदवार अब शारीरिक प्रवीणता परीक्षा, दस्तावेज सत्यापन तथा चिकित्सीय परीक्षण की आगामी प्रक्रियाओं से गुजर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के युवाओं में भारतीय सेना में शामिल होने को लेकर विशेष उत्साह, जुनून और जज्बा स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है।जिला प्रशासन धमतरी एवं सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के संयुक्त सहयोग से भर्ती रैली की समस्त प्रक्रियाएं सुव्यवस्थित एवं सुचारू रूप से संचालित की जा रही हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष की गिरफ्तारी के विरोध में सडक़ पर उतरे कांग्रेस, एनएसयूआई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़,13 जनवरी। जिले में एनएसयूआई और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन हस्द्ध के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी की गिरफ्तारी और पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में किया गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया। एनएसयूआई पदाधिकारी और कांग्रेस कार्यकर्ता जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय से नारेबाजी करते हुए स्टेशन चौक पहुंचे। यहीं प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया जाना था। प्रदर्शन के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया।

जैसे ही कार्यकर्ता पुतला दहन करने लगे, मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने पुतला छीनने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झूमाझटकी भी हुई। हालांकि विरोध के बीच ही कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री का पुतला दहन कर दिया।पुतला दहन के बाद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ भी जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पुलिस ने शांतिपूर्ण विरोध को दबाने की कोशिश की।एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने बताया कि सोमवार को बनारस में मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी और छात्र शांतिपूर्ण रैली निकाल रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज कर वरुण चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। इसी घटना के विरोध में रायगढ़ में यह प्रदर्शन किया गया।इस मामले में एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आरिफ हुसैन ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष पर बर्बरता पूर्वक लाठीचार्ज किया गया। इसके विरोध में रायगढ़ में पुतला दहन का कार्यक्रम रखा गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ पुलिसकर्मी सिविल ड्रेस में पुतला दहन रोकने पहुंचे और पुतला छीनने की कोशिश की।

जिला पंचायत सीईओ ने ली समीक्षा बैठक

महासमुंद 13 जनवरी । मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीईओ श्री हेमंत नंदनवार ने आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में बैठक लेकर जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं व विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री नंदनवार ने विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) की विशेषताओं और उद्देश्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत प्रत्येक पात्र परिवार को वर्ष में 125 दिवस के रोजगार की गारंटी दी जाएगी, जो पूर्व में लागू मनरेगा की 100 दिवस की सीमा से अधिक है। इससे ग्रामीण परिवारों को अधिक स्थायी और सुरक्षित रोजगार उपलब्ध होगा।

दिव्यांगता से आत्मनिर्भरता की ओर कु. तेजस्वी साहू

महासमुंद, 13 जनवरी । महासमुंद विकासखंड अंतर्गत ग्राम मचेवा की 24 वर्षीय कु.तेजस्वी साहू 90 प्रतिशत अस्थिबाधित दिव्यांग हैं। वर्ष 2020 में एक गंभीर दुर्घटना के कारण उनकी स्पाइनल कॉर्ड में चोट आई, जिससे उनके शरीर का निचला भाग लगभग पूर्णतः पैरालिसिस हो गया तथा दाहिना हाथ भी पूरी तरह से कार्य करने में असमर्थ हो गया। लंबे उपचार और ऑपरेशन के बाद वे बैठने की स्थिति में तो आ सकीं, लेकिन चलने-फिरने, आवागमन और रोजगार के अवसर उनके लिए अत्यंत कठिन हो गए थे। सीमित संसाधनों और शारीरिक अक्षमता के कारण उनका आत्मविश्वास भी प्रभावित हो रहा था।

उनकी स्थिति समाज कल्याण विभाग के संज्ञान में आने के बाद उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की शुरुआत हुई। उप संचालक समाज कल्याण श्रीमती संगीता सिंह उनके घर जाकर उनकी वास्तविक स्थिति और आवश्यकताओं को समझा तथा हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। जिसके फलस्वरूप कु. तेजस्वी साहू को 20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इसके साथ ही समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मोटराइज्ड ट्राई साइकिल प्रदाय योजना के अंतर्गत उन्हें मोटराइज्ड ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई गई।

आदतन बदमाश मो. आफताब हुसैन गिरफ्तार

रायगढ़। चक्रधरनगर पुलिस ने कल विजयपुर में हुए मारपीट के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आदतन बदमाश को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 11 जनवरी को प्रार्थी विकास भोय पिता गिरधारी भोय, उम्र 20 वर्ष, निवासी पतरापाली पूर्व द्वारा थाना चक्रधरनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। प्रार्थी ने बताया कि वह गोपालपुर से मिट्टी ट्रैक्टर में लोड कर विजयपुर लोटस कॉलोनी में खाली करने जा रहा था। इसी दौरान शाम लगभग 04ः30 बजे, विजयपुर तालाब के पास मोहम्मद आफताब हुसैन, निवासी विजयपुर, हाथ में लोहे की रॉड लेकर पहुंचा और शराब पीने के लिए रुपये की मांग करने लगा।प्रार्थी द्वारा रुपये देने से मना करने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए हाथ में पहने स्टील के कड़े एवं लोहे की रॉड से उसके साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने आए राजा लोहार के साथ भी आरोपी द्वारा मारपीट की गई। रिपोर्ट पर थाना चक्रधरनगर में धारा 119(1), 296, 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान प्रार्थी एवं घायल का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया तथा तत्काल प्रभारी थाना चक्रधरनगर उप निरीक्षक गेंद लाल साहू के नेतृत्व में दबिश देकर आरोपी को पुलिस हिरासत में लिया गया। आरोपी के कब्जे से एक नग स्टील का कड़ा एवं एक लोहे की रॉड जप्त की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी आफताब हुसैन पिता असलम हुसैन, उम्र 26 वर्ष, निवासी विजयपुर अमरैयापारा, थाना चक्रधरनगर, जिला रायगढ़ द्वारा अपराध स्वीकार किया गया।विवेचना में आरोपी के विरुद्ध अपराध घटित करना पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर उसे 12 जनवरी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।उल्लेखनीय है कि आरोपी आफताब हुसैन के विरुद्ध थाना चक्रधरनगर में पूर्व से मारपीट, चोरी, आर्म्स एक्ट, जुआ एवं प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कई प्रकरण दर्ज हैं। चक्रधरनगर पुलिस द्वारा क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई लगातार जारी है।

श्रीमद्भागवत कथा में रचा गया मानवता का अनुपम प्रसंग

महासमुंद। ग्राम सिनोधा में साहू परिवार (सुखराम-पुष्पा साहू एवं कल्याणी साहू) तथा समस्त ग्रामवासियों के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान रुक्मिणी विवाह प्रसंग के पावन अवसर पर एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायी सामाजिक कार्य संपन्न हुआ। कथा स्थल पर भगवान श्रीकृष्ण को साक्षी मानकर ग्राम की ही निर्धन कन्या सरोज विश्वकर्मा (पुत्री गोकुल) का विवाह ओंकारबंद निवासी निर्धन युवक तीरथ विश्वकर्मा (पुत्र विष्णु) के साथ वैदिक विधि-विधान से संपन्न कराया गया।

कथा स्थल विवाह मंडप में परिवर्तित हो गया, जहाँ वेद मंत्रोच्चार और मंगल गीतों के बीच विवाह संस्कार पूर्ण हुआ। इस पुण्य कार्य में न केवल कथा आयोजकों, बल्कि आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। श्रद्धालुजन इस पावन क्षण के साक्षी बने और पूरे वातावरण में भक्ति, करुणा एवं सेवा की अनुभूति देखने को मिली।कथा आयोजकों ने नवदंपती को गृहस्थ जीवन की आवश्यक सामग्री भेंट कीं। वहीं समीपवर्ती ग्रामों के ग्रामीणों ने सामर्थ्य अनुसार वस्त्र, घरेलू सामान एवं आर्थिक सहयोग प्रदान कर इस विवाह को सफल बनाया। ग्रामीणों की यह सहभागिता सामाजिक एकता, सामूहिक संवेदना और मानवीय मूल्यों का सशक्त उदाहरण बनी।इस अवसर पर कथावाचक भानपुर (बागबाहरा) के प्रसिद्ध पंडित धनंजय तिवारी ने कहा कि 'भागवत कथा केवल श्रवण तक सीमित नहीं है, बल्कि दया, करुणा और सेवा के माध्यम से समाज के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है।' उन्होंने कहा कि जब भक्ति और मानवता एक साथ चलती हैं, तभी समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव होता है।

सिनोधा की बनी अलग पहचान

पंडित धनंजय तिवारी ने कथा स्थल पर निर्धन कन्या के विवाह को एक ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि इस पुनीत और प्रेरणादायी कार्य से ग्राम सिनोधा की एक अलग और विशिष्ट पहचान बनेगी। ऐसे आयोजन समाज को नई दिशा देने के साथ मानवता की सच्ची सेवा का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। इस अनूठे और पुण्य आयोजन का क्षेत्र में सर्वत्र सराहना हो रही है।

समाचार माध्यमों के सहयोग से कथा का हुआ व्यापक प्रचार

इस आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए आयोजक एवं कथावाचक ने कथा मंच से जिले के समस्त समाचार पत्रों के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाचारों के प्रकाशन के माध्यम से आयोजन की जानकारी दूर-दराज तक पहुँची, जिससे आसपास के गांवों के साथ-साथ रायपुर, राजिम, गरियाबंद एवं धमतरी से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन संभव हो पाया। आयोजक ने मीडिया के सहयोग को इस पुनीत आयोजन की सफलता का महत्वपूर्ण आधार बताया।

राज्य के 8 युवाओं और एक संगठन को मिला छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान

धमतरी, 13 जनवरी । मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले राज्य के आठ युवाओं सहित धमतरी जिले के युवा स्टार सेवा समिति खरतुली और सुश्री आरू साहू को लोककला में उत्कृष्ट कार्यों के लिए युवा रत्न सम्मान किया ।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा रायपुर के नवीन विश्राम भवन में आयोजित युवा रत्न सम्मान समारोह में स्वास्थ्य, पर्यावरण, स्वच्छता, साक्षरता, महिला उत्थान, सामाजिक जागरूकता, नशामुक्ति, मतदाता जागरूकता, जल स्त्रोतों के संरक्षण जैसे अनेक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्यों के लिए धमतरी जिले के खुरतुली के युवा स्टार सेवा समिति को भी छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान प्रदान किया। उन्हें 5 लाख का चेक भी मिला । सुश्री आरू साहू को लोककला में उत्कृष्ट कार्यों के लिए युवा रत्न सम्मान दिया।सुश्री आरू साहू को लोककला में उत्कृष्ट कार्यों के लिए युवा रत्न सम्मान दिया। उन्हें एक लाख रुपये का चेक मिला। सुश्री आरू साहू छत्तीसगढ़ की एक उभरती हुई और लोकप्रिय लोक गायिका हैं, जो अपने छत्तीसगढ़ी गानों के लिए जानी जाती हैं और उन्होंने यूट्यूब व फेसबुक पर लाखों लोगों के दिलों में जगह बनाई है, खासकर अपने छठ पूजा गीतों और अन्य लोक धुनों के माध्यम से अपनी जगह बनायी और वे अपनी कला से राज्य की संस्कृति को बढ़ावा दे रही हैं।मुख्यमंत्री श्री साय ने 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती पर रायपुर में उनके बिताए समय का स्मरण करते हुए समारोह में कहा कि स्वामी विवेकानंद ने मात्र 31 वर्ष की आयु में दुनिया में भारत की सांस्कृतिक समृद्धि और सभ्यता का मान और सम्मान बढ़ाया। उन्होंने खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राज्य की उत्कृष्ट युवा प्रतिभाओं को सम्मानित करने की पहल की सराहना करते हुए कहा कि भारत युवाओं का देश है। हमारी युवा प्रतिभाओं को पोषित, पल्लवित और आगे बढ़ाने का काम हम कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं को स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान करते हुए उन्हें दृढ़ इच्छाशक्ति, परिश्रम, समर्पण और संकल्प से अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने को कहा।उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत की सांस्कृतिक शक्ति का परचम पूरी दुनिया में फहराया था।

अघोर गुरु पीठ ट्रस्ट बनोरा की इकाई डभरा के शिविर का लाभ 5676 लोगों ने उठाया

रायगढ़,13 जनवरी। पूज्य बाबा प्रियदर्शी राम जी द्वारा स्थापित अघोर गुरु पीठ ट्रस्ट बनोरा, की इकाई अघोर आश्रम-घोघरी रोड डभरा जिला सक्ती में 11 जनवरी रविवार को 15 वें निःशुल्क विशाल मेगा स्वास्थ्य शिविर में 5676 मरीज लाभान्वित हुए। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन ट्रस्ट की निजी जमीन पर लगभग चालीस हजार फूट निर्मित व्यवस्थित पंडाल में किया गया। अघोर संत बाबा प्रियदर्शी राम के निर्देशन में ट्रस्ट से जुड़ी विभिन्न शाखाओं में मानव जीवन की मूल भूत आवश्यकता शिक्षा एवं चिकित्सा निःशुल्क मुहैया कराई जाती है ताकि ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली साधन विहीन जनता को इसका विशेष लाभ मिल सके। इस क्रम में बनोरा की इकाई डभरा में पिछले 14 वर्षों से निरंतर मानव सेवी गतिविधियों के तहत विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। डभरा के इस शिविर मे चार जिलों के 100 से अधिक गांवों से आए 5676 महिला, पुरुष व बच्चों ने अपना पंजीयन कतार बद्ध होकर कराया। जिसमें 2030 महिलाएं 2212 पुरुष 1434 बच्चों को इलाज के साथ निःशुल्क दवाएं वितरित की गई। महाप्रभु अघोरेश्वर के तेलचित्र पर पुष्प अर्पित कर विधिवत पूजा अर्चना की गई इसके बाद प्रातः 9 बजे से एक दर्जन लोगों ने शिविर में आए मरीजों को शाम 3 बजे तक पंजीकृत किया।शिविर में एक ऐसी टीम भी मौजूद रही जो पंजीकृत मरीजों को पंडाल में अलग अलग कक्ष में मौजूद संबंधित रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक के संबंध में जानकारी देती रही। मरीजों की सुविधा हेतु अलग अलग चिकित्सकों हेतु दो दर्जन कक्ष बनाए गए यहां पर आश्रम के वालेंटियर मरीजों को आवश्यक जानकारी देकर कतार बद्ध कर रहे ताकि उन्हें इलाज की सुविधा का लाभ मिल सके। शिविर में रायगढ़, सक्ती, और जांजगीर-चांपा, सारंगढ़ जिले एवं प्रयागराज तथा कटक के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने शाम 5.38 बजे तक मरीजों का इलाज किया। इलाज के दौरान चिकित्सको द्वारा मरीजों को ब्लड प्रेशर शुगर सहित रक्त ई सी जी एक्सरे जांच की सलाह देने पर यह सुविधा भी निःशुल्क मुहैया कराई जा रही थी। पैथोलोजी रिपोर्ट देखने के बाद चिकित्सको द्वारा आवश्यक दवाईया लिखे जाने के बाद मरीजों ने कतारबद्ध होकर निःशुल्क दवाएं हासिल की।

अघोर गुरु पीठ ट्रस्ट बनोरा की शाखाओं के तहत बनोरा आश्रम के हर सप्ताह बुधवार को होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर के अलावा माह में एक बार नेत्र शिविर एक बार हाइड्रोसिल ऑपरेशन शिविर साथ ही बनोरा आश्रम में साल में एक बार माह फरवरी में विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होता है इसके अलावा दमा मधुमेह मिर्गी संबंधी लाइलाज बीमारियों की दवा भी चिकित्सक की सलाह पर दी जाती है। मुख्य शाखा की इकाई डभरा आश्रम में हर सोमवार को होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन होता है वही इस शाखा में वर्ष के जनवरी माह में विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है।मुख्य शाखा की इकाई अंबिकापुर आश्रम में हर सोमवार को एलोपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन होता है। इसी तरह जिगना आश्रम में हर शुक्रवार को होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर के आयोजन के अलावा प्रत्येक माह में 3 बार नेत्र शिविर का आयोजन होता है। आदर आश्रम में भी विशाल स्वास्थ्य शिविर प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाता है। शिविर के आयोजन के पूर्व संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार प्रसार किया जाता है। विशेषज्ञ चिकित्सक स्वेच्छा से शिविरों में अपना योगदान देते है।शिविरो में मरीजों की जांच के बाद आवश्यक दवाइयों का वितरण भी निःशुल्क किया जाता है। स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं के लिए ये शिविर ग्रामीण जनो के लिए वरदान साबित हो रहे है।आश्रम से जुड़े सैकड़ों अनुयाई,श्रद्धालु स्वयंमेव ही सुबह से शाम तक शिविर में अपनी सेवाएं देने मौजूद रहे। सैकड़ों की संख्या में मौजूद अनुयाइयों, श्रद्धालुओं ने अपने मध्य कार्य विभाजन करते हुए गांव से आए मरीजों का पंजीयन किया। पंजीकृत मरीजों की संबंधित रोगों के चिकित्सकों के कक्ष तक पहुंचाने से लेकर निःशुल्क दवा वितरण में मदद करने का ईश्वरीय कार्य किया। पंडाल में हर बीमारी के मरीजों के लिए अलग अलग चिकित्सक मौजूद रहे। महिला और पुरुषों के लिए पृथक कतार के साथ दिव्यांगजनों और बुजुर्गों के पंजीयन एवं दवा वितरण हेतु पृथक कतार बनाई गई ताकि भीड़ में बुजुर्गो दिव्यांगजनों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नही करना पड़े। पंजीयन एवं दवा हासिल करते हेतु कतार बद्ध मरीजों को तेज धूप से बचाने के लिए टैंट की समुचित व्यवस्था की गई। छग मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव एशोसियेशन की रायगढ़ एवं बिलासपुर इकाई से जुड़े सदस्यों टीम ने निःशुल्क दवा वितरण की कमान संभाली साथ ही केमिस्ट एसोसियेशन रायगढ़ के सदस्यो ने भी दवा का वितरण किया। शिविर में आने वाले मरीजों के लिए पेय जल एवं शौचालय की समुचित व्यवस्था की गई थी।

एक नजर

जंबूरी में बिखरी जम्मू से केरल तक की खुशबू

बालोद, 13 जनवरी (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। राष्ट्रीय रोवर रेंजर जंबूरी के तीसरे दिन दुधली में देशभर की संस्कृति, परंपरा और पारंपरिक व्यंजनों का अद्भुत संगम देखने को मिला। जंबूरी परिसर में विभिन्न राज्यों के खान-पान की खुशबू ने सभी को आकर्षित किया और प्रतिभागियों व दर्शकों को जम्मू-कश्मीर से लेकर केरल तक के जायकों से रूबरू कराया। प्रतिभागियों ने बताया कि जंबूरी उनके राज्य की संस्कृति एवं पारंपरिक खान-पान को पहचान दिलाने का प्रभावी मंच बना है। साथ ही यह आयोजन एक-दूसरे की सांस्कृतिक विविधता को समझने और आत्मसात करने का भी बेहतर माध्यम सिद्ध हो रहा है। इस दौरान उत्तराखंड की लाल चावल की खीर, भटकी चूड़कानी एवं बाल मिठास, उत्तर प्रदेश की बाटी-चोखा, तमिलनाडु की स्वीट पोंगल, कर्नाटक की चुरमुरे, गन पाउडर एवं हुलीगुथी, मध्यप्रदेश की मालिदा, हरियाणा की पारंपरिक सब्जी, जम्मू-कश्मीर की कश्मीरी कहवा एवं कांगड़ी, पश्चिम बंगाल की नारियल-कद्दू व खजूर-गुड़, ओडिशा की चना साग, तथा केरल की विभिन्न चावल आधारित पारंपरिक व्यंजन लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे। इन व्यंजनों के स्वाद ने दर्शकों को अपनी ओर खींच लिया और हर स्टॉल पर उत्साह देखने को मिला।

भारत स्काउट गाइड नेशनल हेडक्वार्टर स्टॉल का कलेक्टर ने किया शुभारंभ

बालोद, 13 जनवरी (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्रथम राष्ट्रीय रोवरदृरेंजर जंबूरी के अंतर्गत दुधली में आयोजित भारत स्काउट एवं गाइड नेशनल हेडक्वार्टर स्टॉल का शुभारंभ आज कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने स्टॉल में प्रदर्शित जानकारी का अवलोकन करते हुए भारत स्काउट एवं गाइड संगठन के गौरवशाली इतिहास और उपलब्धियों की सराहना की। नेशनल हेडक्वार्टर स्टॉल में वर्ष 1950 के बाद से स्काउटदृगाइड की प्रारंभिक जानकारी, संगठन की 75वीं वर्षगांठ, अब तक आयोजित 19 राष्ट्रीय जंबूरी, भारत स्काउट एवं गाइड से जुड़े राष्ट्रपति पुरस्कार तथा देश के सर्वोच्च अवॉर्ड से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदर्शित की गई हैं। प्रदर्शनी के माध्यम से यह भी बताया गया कि जंबूरी का आयोजन किस प्रकार किया जाता है, इसमें कौन-कौन सी शैक्षणिक, सांस्कृतिक, साहसिक एवं सेवा गतिविधियां संचालित होती हैं तथा अब तक देशभर से कितने लाख स्काउट, गाइड, रोवर और रेंजर्स इन आयोजनों में भाग ले चुके हैं। कलेक्टर श्रीमती मिश्रा ने बालोद जिले के दुधली में आयोजित राष्ट्रीय रोवरदृरेंजर जंबूरी की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि जंबूरी में प्रतिभागियों की सुविधा, सुरक्षा, आवास, भोजन एवं गतिविधियों के लिए हर स्तर पर विशेष ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि भारत स्काउट एवं गाइड जैसे संगठन युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व, सेवा भावना और राष्ट्रभक्ति का विकास करते हैं, और इस प्रकार के आयोजन उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राष्ट्रीय रोवर रेंजर जंबूरी में नीतू रानी एवं अंशिका हुई शामिल

बालोद, 13 जनवरी (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। दुधली में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय रोवर रेंजर जंबूरी 2026 में देश के विभिन्न राज्यों से आए रोवर रेंजर्स उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। इसी क्रम में हरियाणा से जंबूरी में शामिल होने आई नीतू रानी, अंशिका एवं मंदीप ने इस आयोजन को एक बेहतरीन और यादगार अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय रोवर रेंजर जंबूरी के माध्यम से देशभर की विविध संस्कृति, कला और परंपराओं को एक ही मंच पर देखने व समझने का अवसर मिला है। यहां विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों से मिलने, संवाद करने और एक-दूसरे की संस्कृति को जानने का अनुभव काफी महत्वपूर्ण हैं। प्रतिभागियों ने बताया कि जंबूरी में कल्चरल एक्टिविटी, एडवेंचर गेम्स एवं विविध रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिनमें भाग लेना उनके लिए नया और रोमांचक अनुभव रहा। सभी गतिविधियां अनुशासन और समन्वय के साथ संचालित की जा रही हैं।

सशिमं स्कूल में स्वामी विवेकानंद जयंती पर युवा दिवस मनाया गया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 13 जनवरी। स्वामी विवेकानंद जी की 164 वीं जयंती के अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिल्दा में राष्ट्रीय युवा दिवस कार्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती रानी सौरभ जैन पार्षद वार्ड क्रमांक 21 तिल्दा, मुख्य वक्ता श्री गोपाल प्रसाद वर्मा नगर संघचालक (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तिल्दा- नेवरा) विशिष्ट अतिथि श्री

सौरभ जैन उपाध्यक्ष भाजपा तिल्दा शहर, विद्यालय समिति के कोषाध्यक्ष श्री दिलीप वर्मा एवं प्राचार्य श्री श्रवण कुमार साहू के द्वारा स्वामी विवेकानंद जी के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। मुख्य वक्ता श्री गोपाल प्रसाद वर्मा जी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के जीवन चरित्र को आज हर युवा पीढ़ी को जीवन में उतारने की आवश्यकता है। उनका वाक्य है उठो, जागो और अपने लक्ष्य के पहुंचते तक मत रूको। मुख्य अतिथि श्रीमती रानी जैन ने कहा कि भी स्वामी विवेकानंद जी के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके बताये हुए मार्ग चलना चाहिए । विशिष्ट अतिथि सौरभ जैन ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। जो युवाओं को संदेश देता है कि हम भी उनके जैसे बने। देश, समाज व राष्ट्र धर्म को ध्यान में रख कर काम करें। स्वदेशी, स्व व्यवसाय, स्व उद्योग एवं स्वालम्बन भाव से काम करे। श्री दिलीप वर्मा जी ने सभी बच्चों को स्वामी विवेकानंद जयंती व राष्ट्रीय युवा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दिए। ततपश्चात स्वदेशी संकल्प दौड़ विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं आचार्य दीदियों द्वारा विद्यालय प्रांगण से तिल्दा बस्ती के मौली मंदिर से ,मिशन कालोनी होते हुए वापस विद्यालय प्रांगण तक दौड़ लगाए। इस स्वदेशी संकल्प दौड़ का मुख्य उद्देश्य स्वदेशी उत्पादन, स्वदेशी उद्यमिता को बढ़ावा देना एवं आत्मनिर्भर भारत को सुदृढ़ करना है। अंत में विद्यालय के प्राचार्य द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर रानी सौरभ जैन द्वारा 10 जनवरी को हुए हिन्दू सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को पारितोषिक भेंट कर उनका उत्साह वर्धन किया गया।

मीडिया के सभी माध्यमों का प्रयोग कर जनसंपर्क अधिकारी अपने कार्य को बना सकते हैं प्रभावशाली:आयुक्त

- ■ एआई टेक्नालॉजी के उपयोग से कम एफर्ट में होगा ज्यादा काम
- ■ जनसम्पर्क की नई चुनौतियाँ: जनसंपर्क अधिकारियों की दो दिवसीय राज्य स्तरीय कौशल संवर्धन कार्यशाला का शुभारंभ

रायपुर, 13 जनवरी। मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त डॉ. रवि मित्तल ने कहा कि जनसंपर्क अधिकारी एक्सक्लूजिव स्टोरी तैयार करें और इसके व्यापक प्रचार के लिए मीडिया के सभी माध्यमों का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों की स्टोरी नेशनल और स्टेट लेवल पर प्रकाशित होगी, उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित किया जाएगा। आयुक्त डॉ. मित्तल नवा रायपुर स्थित संवाद के ऑडिटोरियम में जनसम्पर्क की नई चुनौतियां विषय पर जनसम्पर्क अधिकारियों की व्यावसायिक दक्षताओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कौशल संवर्धन कार्यशाला में उक्त बाते कहीं।

आयुक्त डॉ. मित्तल ने कहा कि वर्तमान दौरे में जनसंपर्क में सूचना एवं जनसंपर्क का माध्यम बदल रहे हैं। नए-नए तकनीक आ रहे हैं, जनसंपर्क अधिकारियों को भी उन तकनीकों का उपयोग कर अपने कार्य को प्रमाणिक, बेहतर और समय सीमा में पूरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें सिर्फप्रिंट मीडिया के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल और सोशल मीडिया का बखूबी उपयोग करना है, ताकि शासन की फैसलों को जनता तक पहुंचाया जा सके। इसके लिए अधिकारियों को नए टेक्नोलॉजी से अपडेट रहना होगा। उन्होंने इस मौके पर पत्रकारिता स्कूल-कॉलेजों के बच्चों को भी जनसंपर्क विभाग में इंटरशीप का अवसर देने पर बल दिया।

उद्घाटन सत्र में वरिष्ठ अधिकारियों में अपर संचालक श्री जवाहरलाल दरियो, श्री संजीव तिवारी, श्री उमेश मिश्रा, श्री आलोक देव ने जनसेवा में स्पष्ट, सरल और समयबद्ध संवाद की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जनसंपर्क के लिए प्रभावी संवाद सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रतिभागियों को दो दिनों तक चलने वाले सत्रों की रूपरेखा और अपेक्षाओं से अवगत कराया गया। अधिकारियों ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य समाचार लेखन, टेलीविजन सहभागिता और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग के माध्यम से जनसंपर्क को अधिक सशक्त, आधुनिक, संवेदनशील और उन्मुखी बनाना है।

कार्यशाला के प्रथम दिवस की शुरुआत पाठक-अनुकूल लेखन सरकारी समाचार को आकर्षक बनाना विषयक सत्र से हुई, जिसमें दैनिक भास्कर के संपादक श्री शिव दुबे ने मार्गदर्शन दिया। उन्होंने सरकारी आदेशों और सूचनाओं से जनता से जुड़ी मुख्य बात को पहचानने, सरल और सुबोध भाषा के प्रयोग, प्रभावी हेडलाइन एवं लीड पैराग्राफ लिखने की जानकारी दी। साथ ही, प्रेस विज्ञप्ति की संरचना, उपयुक्त उद्धरणों के प्रयोग तथा संकट के समय मीडिया से संतुलित और समयबद्ध संवाद की आवश्यकता पर भी विस्तार से चर्चा की। द्वितीय सत्र में आकाशवाणी के समाचार संपादक श्री विकल्प शुक्ला ने टेलीविजन मीडिया की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। उन्होंने शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों को विजुअल स्टोरी के रूप में प्रस्तुत करने, टीवी कवरेज के लिए आवश्यक तत्वों, कैमरे पर संक्षिप्त बाइट लेने और फैक्ट शीट के महत्व की जानकारी दी। तीसरे सत्र में सोशल मीडिया और एआई टूल्स के उपयोग पर चर्चा हुई। सोशल मीडिया, डिजिटल मार्केटिंग और एआई विशेषज्ञ श्री राकेश साहू ने एआई डिजिटल टूल्स का उपयुक्त उपयोग कर फोटो, वीडियो एडिटिंग के बारे में मार्गदर्शन दिया। आज के अंतिम सत्र में जनसंपर्क संचालनालय, भोपाल के सेवानिवृत्त संचालक श्री लाजपत आहूजा ने पीआर टूल बॉक्स, स्टेकहोल्डर प्रबंधन तथा आपातकालीन संचार (क्राइसिस कम्युनिकेशन) से जुड़े तुरंत उपयोग योग्य उपकरणों की जानकारी दी। कार्यशाला में राज्यभर से आए जनसंपर्क अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

महिला सशक्तिकरण संघ डोंगरगढ़ ने शौर्य दिवस,सावित्रीबाई फुले जयंती तथा फातिमा शेख जयंती मनाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 13 जनवरी। महिला सशक्तिकरण संघ डोंगरगढ़ द्वारा शौर्य दिवस एवं भारत की प्रथम महिला शिक्षिका क्रांति ज्योति समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले वैसे ही मुस्लिम समुदाय की प्रथम महिला शिक्षिका फातिमा शेख की जयंती धूमधाम से मनाई गई,कार्यक्रम का आयोजन संरक्षक नलिनी मेश्राम के निवास में किया गया । सर्व प्रथम तेलचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया त्रिशरण पंचशील लिया गया तत्पश्चात म. स. स. अध्यक्ष पदमा मेश्राम द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया, कार्यक्रम की मुख्य अतिथि संघ की प्रदेश अध्यक्ष प्रज्ञा बौद्ध जी ने बताया कि सावित्रीबाई फुले ने महिला और दलितों के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए उन्होंने 1848 में बालिकाओं का पहला स्कूल खुला और उन्हें शिक्षा प्रदान की उन्होंने महिलाओं के अधिकारों विधवाओं के पुनर्विवाह के लिए लड़ाई लड़ी बाल विवाह का विरोध किया, प्रदेश अध्यक्ष द्वारा मुस्लिम समुदाय की प्रथम महिला शिक्षिका फातिमा शेख की जीवन संघर्ष के बारे बताया, शौर्य दिवस क्यों मनाया जाता है इस पर भी उन्होंने प्रकाश डाला विशेष अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष नंदा मेश्राम जी ने बताया कि सावित्रीबाई की विरासत आज भी प्रेरणा का स्रोत है उन्हें एक समाज सुधार के रूप में जाना जाता है, उन्होंने कहा कि हमें गांव गांव जाकर हमारे महापुरूषों – महानायिकाओ के विचारों प्रचार प्रसार करना चाहिए, विशेष अतिथि जिला अध्यक्ष बुद्ध मित्रा वासनिक जी सावित्रीबाई फुले को कवित्री बताया जिसमें महिलाओं के अधिकार की बात कहीं, उन्होंने नलिनी मेश्राम जी के कार्यों को सराहा स्कूल और आश्रम चला कर सराहनीय कार्य कर रही है,इस अवपर महिला सशक्तिकरण संघ द्वारा अपनी टीम को पुष्प गुच्छ देकर मैं सावित्री इस सम्मान से सम्मानित किया, संघ की महिलाओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक गीत, कविता कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का संचालन सदस्य ममता भोयर एवं कार्यक्रम का आभार सचिव राधिका जघेल ने किया द्य अवसर पर महिला सशक्तिकरण संघ की पूरी टीम उपस्थित थी, सीमा सहारे,उर्मिला हुमने,उर्मिला मेश्राम,अरुणा गजभीये, अनीता मेश्राम,पूजा मेश्राम,सरिता गजभिए उजाला, माया भास्कर,मुन्नी जी, जूली टेम्बूकर,अनुपमा लांडगे, अश्विनी जंघेल, रेणुका वर्मा, रेखा,सुनंदा डोंगरे, जाई सेंडे उपस्थित थे।

ग्राम दुधली में नेशनल रोवर रेंजर जंबूरी का सफल आयोजन निरंतर जारी

बालोद, 13 जनवरी। जिला मुख्यालय बालोद के समीपस्थ ग्राम दूधली में प्रथम राष्ट्रीय रोवर रेंजर जंबूरी का सफ्लतापूर्वक आयोजन निरंतर जारी है। आज तीसरे दिन के कार्यक्रम का खास आकर्षण यूथ पार्लियामेंट के अंतर्गत वास्तविक लोकसभा की कार्यवाही प्रदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। इस अवसर पर जंबूरी में शामिल रोवर रेंजरों एवं उपस्थित लोगों को लोकसभा की वास्तविक कार्यवाही से रूबरू कराया गया। इस दौरान लोकसभा के सदस्य के रूप में शामिल सभी रोवर रेंजरों ने लोकसभा की कार्यवाही के दौरान अपने बेहतरीन एवं उत्कृष्ट भागीदारी से सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने यूथ पार्लियामेंट में शामिल सभी प्रतिभागी रोवर रेंजरों की बेहतरीन एवं उत्कृष्ट भागीदारी की भूरी भूरी सराहना की। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, युवा संसद कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष के भूमिका का निर्वाह किया एवं विधानसभा सचिव श्री दिनेश शर्मा, लोक सभा के महासचिव के भूमिका का निर्वाह किया। इसके अलावा प्रतिभागी रोवर रेंजरों ने प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, वित्त मंत्री एवं रेल मंत्री के अलावा नेता प्रतिपक्ष एवं लोकसभा सदस्य के भूमिका का बखूबी निर्वहन किया। यूथ पार्लियामेंट में शामिल सभी प्रतिभागी रोवर रेंजरों में भावी राजनेताओं की झलक दिखी। इस दौरान सभी प्रतिभागी रोवर रेंजर अभ्यस्त एवं पेशेवर राजनेता नजर आ रहे थे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह द्वारा प्रतिभागी रोवर रेंजरो से उनकी राजनैतिक अभिरूचि के संबंध में जानकारी लिये जाने पर अधिकांश लोगों ने संसद एवं विधानसभा के सदस्य बनने की ईच्छा व्यक्त की।

बजरंगपुर नवागांव क्षेत्र के अवैध कॉलोनी पर जिला प्रशासन ने चलाया बुलडोजर

राजनांदगांव 13 जनवरी (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में अवैध प्लाटिंग एवं शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में एसडीएम राजनांदगांव श्री गौतम पाटिल के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग एवं नगर पालिक निगम राजनांदगांव की संयुक्त टीम द्वारा नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में कार्रवाई की गई। प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर बजरंगपुर नवागांव क्षेत्र में अवैध रूप से की जा रही प्लाटिंग तथा शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को चिन्हित करते हुए जेसीबी मशीन से नाली और सड़क को तोड़ा गया। जिला प्रशासन की टीम मौके में पहुंचकर नाली और सड़क को जेसीबी मशीन से तोडफ़ोड़ किया गया। इस दौरान अवैध प्लाटिंग एवं अतिक्रमण करने वालों को भविष्य में शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण या अवैध निर्माण नहीं करने की हिदायत दी गई।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डोंगरगढ़, जिला राजनांदगांव, (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. 202601092100010
अ/6 वर्ष 2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक शेखर निर्मलकर पिता स्व. श्री दशरथ आयु 27 वर्ष जाति धोबी निवासी खुटापारा डोंगरगढ़ तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव (छ. ग.) द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे पिता स्व. श्री दशरथ व उनके सहखातेदारों के नाम से नजूल शहर डोंगरगढ़ में खुटा पारा में शीट क्र. 3 में भूखंड क्र. 216/2 क्षेत्रफल 1440 वर्गफुट भूमि स्थित है। मेरे पिता स्व. श्री दशरथ की मृत्यु दिनांक 15/03/2023 को स्थान डोंगरगढ़ में हो चुकी है। मृतक की मृत्यु हो जाने के कारण उक्त खाते में से मृतक का नाम विलोपित कर मृतक के वारिसों का नाम दर्ज किये जाने का निवेदन किया है।

अतएव उक्त भूमि के नामांतरण किये जाने में किसी को कोई दावा, उजर आपत्ति हो तो वह पेशी दिनांक 30/01/2026 तक स्वयं उपस्थित होकर इस न्यायालय में मेरे समक्ष पेश कर सकते हैं, नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 08/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
डोंगरगढ़ (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार डोंगरगढ़ के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202601092200030

विषय:- ब-121
मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन्:- 2025-2026
मेरेगांव प.ह.न. 00031 [(हे.)]
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार- शत्रुहन गोंड,
अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व सधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शत्रुहन गोंड आ. सोनसिंग जाति गोंड सा. मेरेगांव तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र विजय कुमार मंडावी आ. शत्रुहन गोंड का जन्म दिनांक 04/01/1992 को मेरेगांव में हुआ है, के नाम पर जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व दावा हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 28/01/2026 उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/01/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर
तहसीलदार
तहसील-डोंगरगढ़

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) (A Successor Company of CSEB)
OFFICE OF THE ADDL.CHIEF ENGINEER (S&P) DSPM TPS, KORBA EAST, DISTT: KORBA, PIN: 495677 (C.G.)
PHONE NO. -(07759) 228501, TELEFAX -228501 Email: sepnw.dspmke@cspc.co.in

E-TENDER NOTICE NO.3193/26

Online bids are invited by the undersigned through CSPGCL e-bidding system (SAP SRM) for DSPM TPS, CSPGCL, Korba (East): -

S. No	Tender Specification No.	RFX No. of E-Tender	Particulars	Qty.	Last date & time of bid submission	E.M.D. (Rs.)	Tender Cost
01	16-06/ DSPM TPS/S&P /EMD/P/ T-3274/26	8100048793	Procurement of Battery operated Portable light tower and Remote Pan Tilt Light for emergency lighting purpose suitable for industrial use at DSPM TPS KORBA East.	As per Tender Schedule	02.02.2026 15:30 Hrs	Rs.11660	590/- (including GST@ 18%]

For More detail, please visit our website at: -https://www.cspc.co.in. Any amendment/ corrigendum, if required, will be displayed on our website only.

Superintending Engineer (Proc.)
DSPM TPS: CSPGCL KORBA EAST

// SAVE ELECTRICITY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION //

Samvad-46532/1

कार्यालय नगर पालिका परिषद तिल्दा-नेवरा, जिला रायपुर (छ.ग.)

क्रमांक/1328/लो.नि.वि./न.पा./2025-26 — तिल्दा-नेवरा, दिनांक 12.01.2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिका परिषद तिल्दा-नेवरा द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का विवरण	निविदा राशि (लाख में)	अमानत राशि (रुपये में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	सांकरा रोड पाईप लाईन शिफ्टिंग सांकरा से तिल्दा मेन रोड (सिस्टम टेंडर नं. 183533)	11.60	8,700.00	अंतिम तिथि 02.02.2026 फिजिकल जमा तिथि 09.02.2026 समय शाम 5.00 बजे बिड खोले जाने की तिथि 09.02.2026
2	सांकरा रोड पाईप लाईन शिफ्टिंग रेल्वे ओवर ब्रिज के पास (सिस्टम टेंडर नं. 183490)	55.14	42,000.00	

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद तिल्दा-नेवरा

कार्यालय नगर पालिक निगम, रिसाली

(सम्पत्तिकर विभाग)

स.क्र.वि./2024-25/541 — दिनांक 9/1/26

//स्वामित्व के हस्तांतरण की सूचना//

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही हो एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका की नगर पालिक निगम रिसाली के सम्पत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है। यदि किसी को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

क्रं.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरूप	सम्पत्ति की स्थिति
1	हरिशचंद्र/पिता-बृजलाल देशमुख पता-मकान नं. बी/7, लिंक रोड आशीष नगर पश्चिम रिसाली भिलाई तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	कोमल प्रसाद देशमुख पिता-श्री हरिशचंद्र देशमुख पता-मकान नं. बी/7, लिंक रोड, आशीष नगर पश्चिम रिसाली भिलाई तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	दानपत्र के आधार पर	रिसाली वार्ड नं. 61 आशीष नगर पश्चिम भाग प.ह.न. 49 खसरा नं. 435/57, कुल रकबा-1200 वर्गफीट है।
2	योगेश कुमार साहू/ पिता-स्व. लोकनाथ साहू, पता-प्लाट नं. 03, आकांक्षा, आशीष नगर, रिसाली, भिलाई तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	श्रीमती किरण सेन/पति-श्री कुलदीप कुमार सेन, पता-फ्लैट नं. 301, ब्लॉक-ए, सड़क नं. 19, शुभकामना हाईट्स, प्रगति नगर, रिसाली भिलाई तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	रिसाली बस्ती वार्ड क्र. 60) प.ह.न. 49 (आशीष नगर पूर्व अन्दर भाग) प्लाट नं. 3 ख.नं. 426/39, कुल क्षेत्रफल 2000 वर्गफीट है।
3	श्री पार्था मुखर्जी/पिता-डीएन. मुखर्जी, पता-टावर-ए, फ्लैट नं. 1204बी, प्लाट नं. जी एच 03 सी ए वी एस आर्चिड सेक्टर 77, नोयडा (उत्तर प्रदेश)	अदिती वासनिक/पिता-श्री बाबु लाल वासनिक, पता-प्लाट नं. 360/5, कॉस स्ट्रीट-3, प्रगति नगर, बिहाइंड कृष्णा टाकीज, रिसाली, भिलाई तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)	बिक्रीनामा	रिसाली, मैत्री नगर, मैत्री अपार्टमेंट वार्ड नं.-27, मैत्री नगर रिसाली, सरल क्र. 2, ख.नं. 471/15.16.18 फ्लैट क्र. 201 (प्रथम तल) फ्लैट का क्षेत्रफल 745.86 वर्गफीट है।

प्र. राजस्व अधिकारी
न.प.नि. रिसाली

10 लाख की लागत से बनेगा सामुदायिक भवन, जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा ने किया भूमिपूजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

नगरी 13 जनवरी। विकासखंड के ग्राम खमनापारा मुकुंदपुर में मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत स्वीकृत सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरुण सार्वा जी के करकमलों से संपन्न हुआ। इस सामुदायिक भवन का निर्माण लगभग 10 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा, जिससे ग्रामवासियों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक आयोजनों के लिए स्थायी सुविधा उपलब्ध होगी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरुण सार्वा जी ने कहा कि सामुदायिक भवन ग्राम के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे ग्रामीणों को बैठकों, कार्यक्रमों एवं विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के आयोजन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से इनका अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री श्रवण मरकाम जी, जनपद पंचायत अध्यक्ष महेश गोटा , जिला पंचायत सभापति अजय ध्रुव जी, जनपद पंचायत सभापति श्रीमती प्रेमलता नागवंशी जी, ग्राम सरपंच श्रीमती दुर्गा दर्रो जी, जनपद सदस्य श्री प्रमोद कुंजाम जी, उपसरपंच श्री नोहर सिंह मरकाम जी सहित रवि भट्ट जी, हनी कश्यप जी, पंचगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। अतिथियों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया तथा ग्राम के विकास के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में ग्रामवासियों ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

रायपुर में भारत-न्यूजीलैंड टी-20 मैच की तैयारियां अंतिम चरण में

रायपुर, 13 जनवरी। 23 जनवरी को शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, रायपुर में होने वाले भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच दूसरे टी-20 मैच की तैयारियां ज़ोरों पर हैं। छत्तीसगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन ने पिछली बार की सुरक्षा चूकों और अव्यवस्था से सबक लेते हुए इस बार कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। दर्शकों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए कई नए नियम लागू किए जा रहे हैं।

सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम

सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से मजबूत किया जा रहा है। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए 350 से ज़्यादा प्राइवेट बाउंसर तैनात किए जाएंगे। स्टेडियम के सभी एंट्री गेट्स पर पुलिस, प्राइवेट गार्ड और छग्र कर्मचारियों की तिहरी निगरानी व्यवस्था होगी ताकि झगड़े या अफ़रा-तफ़री को रोका जा सके। खासकर पिछली बार की घटना को ध्यान में रखते हुए, जब दो दर्शक रेलिंग फांदकर मैदान में खिलाड़ियों तक पहुँच गए थे, इस बार बाउंड्री पर अतिरिक्त बाउंसर तैनात किए जाएंगे ताकि कोई भी गैलरी से कूदकर मैदान में न आ सके।

नो एंट्री आफ्टर फर्स्ट इनिंग

एसोसिएशन ने एक महत्वपूर्ण नियम लागू किया है जिसके तहत पहली इनिंग खत्म होने के बाद किसी भी दर्शक को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। इससे मैच के बीच में होने वाली भीड़भाड़ और सुरक्षा संबंधी समस्याओं से बचा जा सकेगा।

अवैध एंट्री पर पूर्ण प्रतिबंध

पिछले मैच में बिना टिकट वाले दर्शकों की भीड़ स्टेडियम में घुस गई थी। इस बार ऐसी किसी भी घटना को रोकने के लिए 13 गेट पर लोहे की रेलिंग लगाई जा रही है। सीढ़ियों और एंट्री पॉइंट पर भी रेलिंग लगाकर दर्शकों की लाइन को व्यवस्थित किया जाएगा और बिना टिकट एंट्री पर पूरी तरह से बैन रहेगा।

खाने-पीने की चीजों पर भी सख्ती

दर्शकों की शिकायतों पर ध्यान देते हुए, इस बार खाने-पीने की चीज़ों की कीमतों पर भी सख्ती बरती जाएगी। पिछली बार महंगे दाम में चीज़ें बेचे जाने की शिकायतें मिली थीं (चिप्स का एक पैकेट ?100 में बेचा जा रहा था) [0]। एसोसिएशन ने साफकिया है कि इस बार नियमों का कड़ाई से पालन किया जाएगा।

मैच और टीमों का शेड्यूल

सीरीज़ का पहला टी-20 मैच 21 जनवरी को नागपुर में खेला जाएगा। दोनों टीमें 22 जनवरी को रायपुर पहुंचेंगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, टीमें सुबह और दोपहर में आएंगी और शाम को स्टेडियम में प्रैक्टिस सेशन में भाग लेंगी।

एक नजर

योगेश तिवारी की किरण सिंह देव से जनसेवा व क्षेत्रीय विकास पर चर्चा

रायपुर, 13 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी किसान नेता एवं सर्व हिंदू समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश तिवारी ने रायपुर स्थित निवास पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष माननीय किरण सिंह देव से शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात आत्मीय एवं सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें संगठन, जनसेवा और क्षेत्रीय विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई भेंट के दौरान बेमेतरा जिले के समग्र विकास, जिला पंचायत स्तर पर संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, ग्रामीण अधोसंरचना, किसानों की समस्याओं तथा जिले की वर्तमान सामाजिक, आर्थिक एवं संगठनात्मक परिस्थितियों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। योगेश तिवारी ने प्रदेश अध्यक्ष को बेमेतरा जिले में किसानों, ग्रामीण अंचलों, युवाओं एवं आमजन से जुड़े जमीनी मुद्दों से विस्तारपूर्वक अवगत कराया और कृषि, सिंचाई, रोजगार, सड़क, शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसे विषयों पर अपनी बात रखी। इस दौरान जिले में विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने, योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने तथा संगठन और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। योगेश तिवारी ने बेमेतरा जिले को किसान-हितैषी एवं विकासशील मॉडल जिला के रूप में स्थापित करने की दिशा में मार्गदर्शन प्राप्त किया। प्रदेश अध्यक्ष से मिले सकारात्मक सुझावों को लेकर उन्होंने जिले में जनसेवा और संगठनात्मक कार्यों को और अधिक सक्रियता से आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

कार का शीशा तोड़कर 10 लाख कैश और लैपटॉप चोरी, संदिग्ध कैमरे में कैद

रायपुर, 13 जनवरी। राजधानी रायपुर में दिनदहाड़े उठाईगिरी से हड़कंप मच गया है। शातिर चोरों ने कार का शीशा तोड़कर 10 लाख रुपये नकद सहित लाखों रुपये के इलेक्ट्रॉनिक सामान पार कर दिया। घटना गंज थाना क्षेत्र के तेलीबांधा इलाके की है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफअपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, स्वर्णभूमि विधानसभा रोड निवासी व्यवसायी प्रवेश अग्रवाल ने गंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 12 जनवरी की शाम करीब 4 बजे वे अपनी कार क्रमांक CG-04-PE-9909 से रायपुर कोर्ट गए थे। उनके साथ जीजा प्रखर जिंदल भी थे। कोर्ट और अन्य जगहों पर काम निपटाने के बाद शाम करीब 5.45 बजे वे तेलीबांधा स्थित अपोलो डायग्नोस्टिक क्लिनिक पहुंचे और कार को क्लिनिक के सामने सड़क किनारे खड़ा कर अंदर चले गए। करीब 6.20 बजे जब वे बाहर लौटे तो देखा कि कार के ड्राइवर साइड का पिछला कांच टूटा हुआ है। जांच करने पर पीछे सीट में रखा लैपटॉप बैग और काले रंग का स्लिंग बैग गायब मिला। पीड़ित के अनुसार चोरी हुए बैग में 500 रुपये के नोटों में कुल 10 लाख रुपये नकद, एक पुराना लेकिन कीमती एप्पल लैपटॉप (कीमत लगभग 1 लाख रुपये), सैमसंग कंपनी का टैब (कीमत करीब 25 हजार रुपये), सेंडिस्क कंपनी की एक्सटर्नल हार्ड डिस्क (करीब 20 हजार रुपये) और स्लिंग बैग में रखे पांच डेबिट व क्रेडिट कार्ड थे। घटना के बाद पीड़ित ने क्लिनिक में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। फुटेज में 4 से 5 संदिग्ध युवक कार के आसपास घूमते नजर आए। इनमें से एक युवक नीली शर्ट पहने हुए कार का कांच तोड़ते और बैग उठाकर ले जाते हुए दिखाई दे रहा है। घटना की सूचना मिलते ही गंज पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफधारा 3(5) और 305(सी) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को पकड़ा जाएगा।

एक-एक दाना धान की खरीदी होगी कांग्रेस भ्रम फैला रही : अरुण साव

रायपुर, 13 जनवरी। धान खरीदी को लेकर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि पात्रता अनुसार किसानों के एक-एक दाना धान की खरीदी होगी. कांग्रेस पार्टी ने धान खरीदी के मामले में शुरू से भ्रम फैलाने का काम किया. नियत नहीं है, व्यवस्था नहीं है. तैयारी नहीं है, यह सबने कहा, लेकिन इन सभी को निराधार बताते हुए सुचारू रूप से धान खरीदी हो रही है. किसान धैर्य रखें, उनका धान भी खरीदा जाएगा.

वहीं धान खरीदी गड़बड़ी पर प्रशासन की सख्ती को लेकर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि विभिन्न जिलों में कलेक्टर औचक निरीक्षण कर रहे हैं. अनियमितता पाए जाने पर कई राइस मिलों पर कार्रवाई की गई. मुंगेली, धमतरी के राइस मिल्स में औचक निरीक्षण करने पर गड़बड़ी पाई गई. उन्होंने बताया कि मुंगेली में उपलेटा राइस मिल को सील किया गया. धमतरी के गजराज एग्रो इंडस्ट्रीज की भी सील बंद कार्रवाई की गई. अभिलेखों के भौतिक सत्यापन करने पर गड़बड़ी पाई गई. डीओ ऑर्डर में अनियमितता, गाड़ियों की क्षमता से अधिक परिवहन और जीपीएस डेटा से छेड़छाड़ जैसे गड़बड़ियों के बाद कार्रवाई की गई है.

जंबूरी 2026 को लेकर भ्रष्टाचार के आरोपों पर कांग्रेस की याचिका पर होने वाली सुनवाई उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि बार-बार स्पष्ट किया जा चुका है. नियम और प्रक्रिया के अनुसार काम हुआ है. शिकायत और कानूनी रास्ते सभी के लिए खुले हैं. शिक्षा मंत्री ने भी स्पष्ट कर दिया है, और अब इस पर किसी को संदेह नहीं होना चाहिए. अंबिकापुर में केसीसी योजना को लेकर किसानों के साथ धोखाधड़ी पर प्रदर्शन को लेकर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां भी गड़बड़ी की शिकायतें आएगी, वहां पर कार्रवाई होगी. हमारी सरकार ने शुरू से ही स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति है. जहां भी इस प्रकार की अपराध होंगे जांच होगी. लगातार भाजपा को पार्टी के ही नेताओं द्वारा घेरे जाने पर कांग्रेस के बयानों पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपनी भूमिका की चिंता करें. भारतीय जनता पार्टी की चिंता करने की कांग्रेस को जरूरत नहीं है.

यादगार और ऐतिहासिक होगा रायपुर का क्रिकेट मैच

23 जनवरी को रायपुर में भारत-न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मैच को लेकर अरुण साव ने कहा कि वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम भव्य और विशाल है. इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैच लगातार होंगे. सरकार ने इसके लिए महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए हैं. 23 जनवरी को अंतरराष्ट्रीय मैच होना है. यह मैच भी ऐतिहासिक और यादगार रहेगा.

जी राम जी पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

वीबी-जी राम जी को लेकर बीजेपी जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन करेगी. उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि बीजेपी ने जन जागरण अभियान चलाने की शुरुआत की है. निचले स्तर तक जाकर इसकी जानकारी दी जाएगी. ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के लिए यह एक ऐतिहासिक बदलाव है. तमाम जिलों में इसको लेकर बीजेपी आयोजन करेगी.

9 महीनों में 31,818 रजिस्ट्री से 572 करोड़ रुपये की आय

रायपुर, 13 जनवरी। रायपुर जिले में चालू वित्तीय वर्ष में बीते 9 महीनों के दौरान कुल 31,818 संपत्ति रजिस्ट्रियां दर्ज हुई है. इससे करीब 572 करोड़ रुपए की आय हुई है. यह पिछले बार के लक्ष्य की तुलना में लगभग आधा है. पंजीयन विभाग के अनुसार, बीते 9 महीनों में मुद्रांक शुल्क से 366 करोड़ रुपये की आय हुई है. जबकि पंजीयन शुल्क के रूप में 205 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित किया गया.

जमीन की नई गाइडलाइन दरों का असर: रजिस्ट्री की संख्या में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हो सकी. इसका प्रमुख कारण पंजीयन प्रक्रिया के दौरान कई बार सामने आई सर्वर संबंधी तकनीकी समस्याएं बताई जा रही हैं. नई गाइडलाइन में जमीन की बढ़ी दरों का असर रजिस्ट्री पर पड़ा है. गौरतलब है कि पिछले वित्तीय वर्ष में पंजीयन विभाग को 1,000 करोड़ रुपये का राजस्व लक्ष्य दिया गया था, जबकि इस वर्ष अब तक ऐसा कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है.

रोलबोल कम्युनिटी ने मनाया स्थापना दिवस

रायपुर, 13 जनवरी। रोलबॉल कम्युनिटी का 6वां स्थापना दिवस 12 जनवरी को रायपुर में गरिमामय एवं प्रेरणादायी वातावरण में मनाया गया। इस विशेष अवसर पर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता मनोज वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन रोलबाल रायपुर एस्पायर 2026 की टीम द्वारा किया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर रोलबाल रायपुर एस्पायर 2026 की नवगठित कार्यकारिणी ने संगठन के मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और सामूहिक विकास के संकल्प के साथ विधिवत शपथ ग्रहण की। मुख्य कार्यकारिणी में फणिश जैन, राकेश नवलखा, मेहुल गोयल को दायित्व सौंपा गया। साथ ही वर्टिकल चेयर्स के रूप में यश ठक्कर, अनुश्री अग्रवाल, निलेश सांखला, जयराज गुरनानी एवं अमित वाधवानी शामिल है। मुख्य अतिथि मनोज वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि रोलबॉल केवल एक संस्था नहीं, बल्कि जीवन को सकारात्मक दिशा देने वाला एक प्रभावशाली मंच है। उन्होंने रोलबॉल द्वारा युवाओं, प्रोफेशनल्स और समाज के विभिन्न वर्गों के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की और संगठन को निरंतर आगे बढ़ते रहने की शुभकामनाएं दीं।

विधायक सोनी ने किया नाली पुलिया निर्माण का भूमिपूजन

रायपुर, 13 जनवरी। आज रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने नगर निगम जोन 4 अंतर्गत रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पण्डित भगवती चरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 57 अंतर्गत जयदेव सतपथी चौक के समीप गन्दे पानी की सुगम निकासी कायम करने शीघ्र 9 लाख 50 हजार रूपये की लागत से नगर निगम सामान्य निधि मद से नई नाली और पुलिया का निर्माण किये जाने श्रीफल फोड़कर और कुदाल चलाकर वार्डवासी नागरिकों सहित भूमिपूजन किया. भूमिपूजन में वार्ड 57 के पार्षद एमआईसी सदस्य अमर गिदवानी, जोन 4 जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा, मण्डल अध्यक्ष सुनील कुकरेजा सहित वार्ड वासी नागरिकों, गणमान्य जनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों की बड़ी संख्या में जयदेव सतपथी चौक में उपस्थिति रही.

विश्वविद्यालयीन पेंशनरों को 13 दिन बाद भी नहीं मिली पेंशन

रायपुर, 13 जनवरी। प्रदेश के समस्त सेवानिवृत विश्वविद्यालय के सेवानिवृत कर्मचारियों को आज जनवरी माह के 13 दिन व्यतीत हो गये पेंशनरों को पेंशन नहीं मिली है। पिछले माह भी विलम्ब से मिली था। 14 जनवरी को मकर संक्रान्ति का महा पर्व है उक्त पर्व के पूर्व समय में पेंशन मिल जाना चाहिए। विगत कई माह से लगातार पेंशन 10-15 दिन के विलम्ब से पेंशनरों को पेंशन मिल रहा है इससे पेंशनरों टेंशन हो रहा है कि पेंशनरों को अपनी और अपने परिवार का खर्च चलाना दूभर हो रहा है। उक्त खर्चों का मेंशन कैसे करें। छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालयीन पेंशनर कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्र और सचिव शिरिष त्रिवेदी ने नेता द्वय ने बताया 8 जनवरी को जन दर्शन में मुख्यमंत्री को पेंशन समय पर नहीं मिलने की शिकायत की गई थी। उक्त शिकायत के परिप्रेक्ष्य में नियमित रूप से पेंशन दिये जाने के लिए अलग से फंड की ब्वस्था करने के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए हैं। प्रदीप मिश्र ने शासन के जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की वि, वि, के सभी सेवानिवृत कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों को उसी माह वेतन देने का प्रावधान है उसी नियम के तहत सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शासकीय कर्मचारियों की भांति शासन द्वारा उसी माह पेंशन देने का आदेश जारी कर प्रावधान किया जाना चाहिए।

9 साल की बच्ची से 5 दिनों तक दरिंदगी

चॉकलेट का लालच देकर चूड़ी वाले ने किया दुष्कर्म

रायपुर, 13 जनवरी। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एक 55 वर्षीय व्यक्ति पर 9 साल की मासूम बच्ची के साथ लगातार पांच दिनों तक दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच जारी है।

चॉकलेट का लालच और जान से मारने की धमकी : आरोपी की पहचान अब्दुल सज्जाद अंसारी (55) के रूप में हुई है, जो इलाके में चूड़ी की दुकान चलाता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी अपनी दुकान पर चॉकलेट और अन्य खाद्य सामग्री भी रखता था। उसने बच्ची को चॉकलेट का लालच देकर अपने पास बुलाया और 7 जनवरी से 11 जनवरी के बीच कई बार उसके साथ कुकृत्य किया। आरोपी ने बच्ची को डराया था कि यदि उसने किसी को कुछ बताया, तो वह उसे जान से मार देगा।

ऐसे हुआ मामले का खुलासा : घटना का खुलासा 12 जनवरी को हुआ। मासूम बच्ची दर्द के कारण जमीन पर लेटकर रो रही थी। जब उसकी चाची उसे नहलाने ले गई, तो बच्ची ने शारीरिक कष्ट की शिकायत की। परिजनों द्वारा कड़ाई से पूछताछ करने पर बच्ची ने रोते हुए अपनी आपबीती सुनाई। उसने बताया कि ÷चूड़ी दुकान वाला अंकल÷ उसे रोज अपने साथ ले जाता था और उसके साथ गलत काम करता था।

बजरंग दल की मांग और पुलिस की कार्रवाई

घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित परिवार बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के साथ सिविल लाइन थाने पहुंचा। आक्रोशित लोगों ने आरोपी के खिलाफसख्त से सख्त कार्रवाई और उसे फांसी की सजा देने की मांग की है। मामले में पुलिस ने तत्काल तत्परता दिखाते हुए आरोपी अब्दुल सज्जाद अंसारी को हिरासत में ले लिया है। तनाव की स्थिति को देखते हुए घटनास्थल और संबंधित क्षेत्र में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है और आरोपी को जल्द ही न्यायालय में पेश किया जाएगा।

मिनी मार्वेल्स प्रीस्कूल का अभिरुचि समारोह आयोजित

रायपुर, 13 जनवरी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीक से तेज़ी से बदलती दुनिया में, मिनी मार्वेल्स प्रीस्कूल ने अभिरुचि अपने 5वें वार्षिक समारोह के माध्यम से उस तत्व को केंद्र में रखा जो हमें इंसान बनाता है। यह गरिमामयी आयोजन डॉ. वर्णिका शर्मा, अध्यक्ष, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, छत्तीसगढ़ (राज्य मंत्री दर्जा), बरुण सखाजी, राजनीतिक विश्लेषक एवं लेखक, तथा प्रख्यात कवि मीर अली मीर की विशिष्ट उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस वर्ष का विशेष और सारगर्भित विषयचरित्र का दिशासूचक रहा, जो यह दर्शाता है कि जहाँ बौद्धिक क्षमता बच्चों को सीखने में सहायता करती है, वहीं भावनात्मक क्षमता उन्हें जीवन जीना, संबंध बनाना और नेतृत्व करना सिखाती है। एआई के इस युग में भावनात्मक समझ और मानवीय मूल्य ही बच्चों का सच्चा मार्गदर्शन बनते हैं। इस अवसर पर मिनी मार्वेल्स प्रीस्कूल की निदेशक, सुश्री अनुभूति श्रीवास्तव ने कहाः आज के एआई आधारित युग में जानकारी हर जगह उपलब्ध है, लेकिन भावनात्मक बुद्धिमत्ता का कोई विकल्प नहीं है।

युवा दिवस पर विप्र कॉलेज में स्वदेशी संकल्प दौड़

रायपुर, 13 जनवरी। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद जयंती युवा दिवस के अवसर पर स्वदेशी संकल्प दौड़ एवं स्वदेशी संकल्प सभा का आयोजन किया गया।

सुबह स्वदेशी संकल्प दौड़ में सेमेस्टर परीक्षा के बाद भी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ स्वदेशी अपनाएं भारत को आगे बढ़ाएं, विवेकानंद को पढ़ें और और जीवन में आगे बढ़े जैसे नारे लगाने के बाद दौड़ प्रारंभ किया। इसके उपरांत विप्र कॉलेज सभागार में स्वदेशी संकल्प सभा का आयोजन प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन के साथ स्वामी विवेकानंद को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद विद्यार्थियों ने स्वामी विवेकानंद से जुड़े स्वदेशी, शक्ति एवं आत्मनिर्भरता जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों को स्वालंबी भारत अभियान के कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। एम.वाई. एस. बी. ए. डिजिटल प्लेटफॉर्म जो युवाओं, महिलाओं किसानो और स्टार्टअप को एक साथ एक ही स्थान पर रोजगार, शिक्षा, अवसर और मार्गदर्शन प्रदान करता है, इसकी जानकारी भी विद्यार्थियों को प्रदान की गई। इसके बाद विद्यार्थियों के साथ प्राध्यापकों ने भी देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने युवा पीढ़ी के लिए स्वामी विवेकानंद के विचारों की वर्तमान में प्रासंगिकता को आवश्यक बताते हुए स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के लिए विद्यार्थियों को शपथ दिलाया।

कार्यक्रम का संचालन रसिका मालवीय, डॉ. आराधना शुक्ला, डॉ. नितिश्री शुक्ला, डॉ. प्रियंका तिवारी एवं अपूर्वा शर्मा ने किया।आभार प्रदर्शन डॉ विवेक शर्मा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

सम्मान | **नशे में धुत कार सवारों का विरोध करने वाले आरक्षक को शाल व प्रतीक चिन्ह भेंट**

कांग्रेस ने यातायात आरक्षक का सम्मान कर बढ़ाया मनोबल

रायपुर, 13 जनवरी। 12 जनवरी हाल ही में टिकरापारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ड्यूटी के दौरान यातायात आरक्षक डालेंद्र कुमार पांडे के साथ हुई दुर्भाग्यपूर्ण मारपीट एवं बदसलूकी की घटना ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। नशे में धुत कार सवारों द्वारा कानून व्यवस्था बनाए रखने में जुटे आरक्षक के साथ किया गया यह कृत्य अत्यंत निंदनीय है। उक्त घटना के बाद आरक्षक डालेंद्र कुमार पांडे का मनोबल बढ़ाने एवं उनके साहस व कर्तव्यनिष्ठा का सम्मान करने हेतु शहर कांग्रेस कमेटी का एक प्रतिनिधिमंडल यातायात थाने पहुंचा। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने आरक्षक को शाल एवं सम्मान प्रतीक भेंट कर उनका सम्मान किया तथा स्पष्ट शब्दों में कहा कि कांग्रेस पार्टी कानून व्यवस्था की रक्षा में लगे पुलिसकर्मियों के साथ मजबूती से खड़ी है।

शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने कहा कि जो जवान अपनी जान जोखिम में डालकर जनता की सुरक्षा करते हैं, उनके साथ इस प्रकार की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने यह भी आश्वस्त किया कि यदि भविष्य में भी किसी पुलिसकर्मी के साथ अन्याय होता है तो कांग्रेस पार्टी उनके सम्मान और अधिकारों की लड़ाई पूरी ताकत से लड़ेगी। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष सुमित दास सुरेश उपाध्याय देवेंद्र यादव उमेश गुप्ता अमित दास बाकर अब्बास ओम श्रीवास प्रवीण चंद्राकर अविनय दुबे बाबा तूरंग राजू नायक माधव छुरा देवेंद्र दुर्गा अनिल रायचूरा अनीश मनिहार नंदकुमार पटेल नवीन लाजरस वेंकट कुमार ऋषि देवांगन झुमुक निषाद डोमेन्द्र दीप रजत साहू अनुज उपाध्याय प्रदीप तिवारी उपेंद्र योगेश साहू मनोज राय बंटी पटेल राज देवांगन आदि कांग्रेस जन उपस्थित थे।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26